दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 70 | जयपुर, रविवार, 18 फरवरी, 2024 | माघ, शुक्ल पक्ष- नवमी, विसं 2080 | पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

इसरो की बड़ी उपलब्धि: इनसैट-3 डीएस सैटेलाइट भूस्थैतिक कक्षा में हो गया स्थापित

मौसम का मिजाज बताने वाले 'नॉटी बॉय' की सफल लॉन्चिंग

एजेंसी। श्रीहरिकोटा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी ISRO की सफलताओं की कड़ी में एक और उपलब्धि शनिवार शाम उस वक्त जुड़ गई जब संस्थान ने मौसम की सटीक जानकारी देने वाला एक सैटेलाइट लॉन्च कर दिया है।

मौसम उपग्रह 'नॉटी बॉय' आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया गया है। यह इनसैट-3 डीएस सैटेलाइट भूस्थैतिक कक्षा में स्थापित किए जाने वाले तीसरी जनरेशन के मौसम विज्ञान सैटेलाइट का अनुवर्ती मिशन है जिसके लिए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा पूरी तरह से फंडिग दी गई है। और तो और, इस अंतरिक्ष यान को बहुत अच्छी कक्षा में स्थापित भी कर दिया गया है।

इसे ले जाने वाले रॉकेट की लंबाई 51.7 मीटर है। इसके पहले एक जनवरी को PSLV-सी58/एक्सपोसैट मिशन के सफल लॉन्चिंग के बाद 2024 में इसरो का यह दूसरा अहम मिशन है। इसके पहले इस सीरीज के आखिरी सैटेलाइट INSAT-3DR को 8 सितंबर 2016 को लॉन्च किया गया था।

अंडाकार जीटीओ कक्षाओं का चक्कर लगाएगा

यह सैटेलाइट मौसम पूर्वानुमान, भूमि एवं महासागरीय सतहों की निगरानी कर आपदा संबंधी चेतावनियां देना। उपग्रह सहायता अनुसंधान और बचाव सेवाएं भी देने का काम करेगा। जानकारी के मुताबिक यह सैटेलाइट 170KM पेरीजी और 36647 KM एपोजी वाली अंडाकार जीटीओ कक्षाओं चक्कर लगाएगा। इसका कुल वजन करीब 2274 किलोग्राम है। इसमें 6 चैनल इमेजर हैं और 19 चैनल साउंडर मेटियोरोलॉजी पेलोड्स मौजूद हैं। यह अपने पुराने सैटेलाइट 3डी और 3डीआर के साथ मिलकर मौसम की सटीक जानकारी उपलब्ध कराएगा।

इस सीरीज के 6 सैटेलाइट हैं अंतरिक्ष में

इनसैट3 सीरीज के सैटेलाइट 6 अलग-अलग जियोस्टेशनरी सैटेलाइट्स अभी अंतरिक्ष में मौजूद हैं और आज इस सीरीज का सातवां सैटेलाइट छोड़ा गया है। इस सीरीज के पहले की सभी सैटेलाइट्स साल 2000-2004 के बीच लॉन्च किए गए थे, उनसे संचार टीवी ब्रॉडकास्ट और मौसम की जानकारियां पहले भी मिल रही थी।

ऐसे पड़ा नॉटी बॉय नाम

इनसैट-3डीएस को जीएसएलवी एफ14 रॉकेट से लॉन्च किया गया। इस रॉकेट को नॉटी बॉय भी कहा जाता है। इसका यह नाम इसरो के एक पूर्व अध्यक्ष ने दिया था। उन्होंने इसका नामकरण इसरो के डाटा और इसकी स्ट्राइक रेट को ध्यान में रखते हुए किया था। इस रॉकेट ने अभी तक 15 उड़ानों में से 6 में सटीक नतीजे नहीं दिए हैं। इसका असफलता रेट 40 प्रतिशत रहा है।

'मुझे मिशन GSLV-F14 INSAT-3DS की सफल उपलब्धि की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। अंतरिक्ष यान को बहुत अच्छी कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। हमने यह भी नोट किया कि वाहन ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम का हिस्सा रहे सभी लोगों को बधाई।'

एस.सोमनाथ, इसरो चीफ

जरूरी खबर

'दंगल' की 'छोटी बेटी' सुहानी का निधन

नई दिल्ली। दंगल मूवी के फैन्स और फरीदाबाद समेत पूरे देश के लिए बहुत ही दुखी कर देने वाली एक खबर आई है। फरीदाबाद की रहने वाली सुहानी भटनागर, जिन्होंने दंगल फिल्म में आमिर खान की छोटी बेटी (जूनियर बबीता फोगाट) की भूमिका निभाई थी, का बीमारी के चलते निधन हो गया है। सुहानी ने 19 साल की उम्र में अंतिम सांस ली। उन्होंने मात्र 9 साल की उम्र में दंगल में अभिनय से खासा नाम कमाया था। फरीदाबाद के सेक्टर-17 में रहने वाले निरंकारी एपी भटनागर की पौत्री सुहानी के निधन से समूचे फरीदाबाद में गमगीन माहौल है।

मालगाड़ी की 10 बोगियां पटरी से उतरीं

नई दिल्ली। दिल्ली में जखीरा फ्लाईओवर के पास शनिवार सुबह 11:52 बजे के करीब एक रेल हादसा हो गया. मालगाड़ी के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए। सूचना मिलने पर रेलवे और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। मालगाड़ी में लोहे की शीट के रोल लोड किए गए थे। रेलवे की टीमें मालगाड़ी बेपटरी हुए डिब्बों को सीधा करने में जुटी हैं। दिल्ली पुलिस ने कहा, 'यह घटना उत्तरी दिल्ली में जखीरा फ्लाईओवर के पास सुबह 11:50 बजे हुई।'

केंद्रीय जलशक्ति मंत्रालय-हरियाणा-राजस्थान में त्रिपक्षीय एमओयू

प्रदेश को मिलेगा अपने हिस्से का पूरा पानी: शर्मा

- ताजेवाला हेड वर्क्स से राज्य के तीन जिलों को मिलेगा यमुना का पानी
- भूमिगत पाइपलाइनों से सीकर, चूरू और झुंझुनूं में होगा सप्लाई

एजेंसी। जयपुर/नई दिल्ली

केन्द्र सरकार, हरियाणा सरकार और राजस्थान सरकार के बीच हुए इस एमओयू के तहत ताजेवाला से प्रवाह प्रणाली के क्रम में डीपीआर बनाने पर सहमति बनी। इस योजना के मूर्त रूप लेने के बाद राजस्थान को ताजेवाला हेड-वर्क्स से यमुना नदी का पानी मिल सकेगा और बारिश में व्यर्थ बह जाने वाले जल का भी समुचित उपयोग हो सकेगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में शनिवार को नई दिल्ली में इस आशय के त्रिपक्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए।

एमओयू के बाद, मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रोजेक्ट में भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से यमुना नदी का पानी राज्य के तीन जिलों सीकर, चूरू और झुंझुनूं को उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना दोनों राज्यों के लिए हितकारी साबित होगी।

इस समझौते पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिए जाने के कारण यह योजना काफी समय से लंबित थी। इसके धरातल पर उतरने के बाद राजस्थान को उसके हिस्से का पूरा पानी मिलेगा और शेखावाटी क्षेत्र के तीन जिलों सीकर, चूरू और झुंझुनू की पेयजल समस्या का समाधान हो सकेगा। उन्होंने राजस्थान के हित में इस एमओयू के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री एवं जलशक्ति मंत्री का आभार प्रकट किया।

30 बरस से लंबित था समझौता

उल्लेखनीय है कि यमुना जल पर मई 1994 में संपादित समझौते के अनुसरण में राजस्थान को हरियाणा स्थित ताजेवाला हेड पर मानसून के दौरान 1917 क्यूसेक जल आवंटित है। अलबत्ता, ताजेवाला हेड से राजस्थान को जल लाने के लिए कैरियर सिस्टम उपलब्ध नहीं है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2003 में हरियाणा की नहरों को रिमॉडलिंग कर राजस्थान में पानी लाने और पुनः वर्ष 2017 में भूमिगत प्रवाह प्रणाली के माध्यम से जल लाने को हरियाणा सरकार को एमओयू भेजा गया, जिस पर हरियाणा की सहमति नहीं मिली। जाहिर है, 30 वर्षों से लटके इस मसले का हल अब निकाला गया है।

इन्होंने किए एमओयू पर दस्तखत

एमओयू पर केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय की सचिव देबाश्री मुखर्जी, राजस्थान के अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार और कमिश्नर एवं शासन सचिव जल संसाधन हरियाणा पंकज अग्रवाल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर राजस्थान व हरियाणा सरकार तथा केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

केंद्रीय कोयला मंत्री और सीएम शर्मा की मुलाकात

अपने शनिवार के नई दिल्ली के दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को में केन्द्रीय कोयला एवं खान मंत्री प्रहलाद जोशी से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने इस दौरान अधिकारियों के साथ बैठक कर राजस्थान में कोयले की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने और ऊर्जा की उपलब्धता बढ़ाने के लिए संयुक्त उपक्रम के माध्यम से सोलर तथा थर्मल पावर प्लांट विकसित करने पर चर्चा की। बता दें, शर्मा ने पिछले महीने भी संबंधित केन्द्रीय मंत्रियों के साथ बैठक कर प्रदेश में बिजली की निर्बाध आपूर्ति तथा कोयले की जरूरत के बारे में चर्चा की थी। जिस पर राजस्थान को मिलने वाले कोयले की मात्रा में वृद्धि हुई। अब आसन्न गर्मी में बिजली की मांग में संभावित वृद्धि को देखते हुए आगे भी पर्याप्त कोयला मिलता रहे, इस संबंध में शनिवार को हुई बैठक में चर्चा की गई।

ज्ञानपीठ चयन समिति ने की 58वें पुरस्कार की घोषणा

जगद्गुरु रामभद्राचार्य व गुलजार को मिलेगा ज्ञानपीठ सम्मान

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रसिद्ध गीतकार और शायर गुलजार और संस्कृत विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है। ज्ञानपीठ चयन समिति ने शनिवार को यह घोषणा की है। गुलजार हिंदी सिनेमा में अपने कार्य के लिए पहचाने जाते हैं और वर्तमान समय के बेहतरीन उर्दू कवियों में शुमार हैं। इससे पहले उन्हें उर्दू में अपने कार्य के लिए 2002 में साहित्य अकादमी पुरस्कार, 2013 में दादा साहब फाल्के पुरस्कार, 2004 में पद्म भूषण और कम से कम पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं।

इन भाषाओं के लिए दिया जाएगा पुरस्कार: चित्रकूट में तुलसी पीठ के संस्थापक और प्रमुख रामभद्राचार्य एक प्रसिद्ध हिंदू आध्यात्मिक गुरु, शिक्षक और 100 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं। ज्ञानपीठ चयन समिति ने एक बयान में कहा, 'यह पुरस्कार (2023 के लिए) दो भाषाओं के प्रतिष्ठित लेखकों को देने का निर्णय लिया गया है। संस्कृत साहित्यकार जगद्गुरु रामभद्राचार्य और प्रसिद्ध उर्दू साहित्यकार गुलजार का चयन इस पुरस्कार के लिए किया गया है।' वर्ष 2022 के लिए यह प्रतिष्ठित पुरस्कार गोवा के लेखक दामोदर मावजो को दिया गया।

दोनों हस्तियों की उपलब्धियां

उर्दू कवि गुलजार की कुछ उल्लेखनीय रचनाओं में फिल्म स्लमडॉग मिलियनेयर का गीत 'जय हो' शामिल है, जिसने 2009 में ऑस्कर और 2010 में ग्रैमी पुरस्कार जीता था। जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 2015 में दिल्ली के राष्ट्रपति भवन में भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने पद्म विभूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया था। 22 भाषाओं में पारंगत रामभद्राचार्य एक बहुमुखी कवि और लेखक हैं, जो संस्कृत, हिंदी, अवधी और मैथिली सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में पारंगत हैं।

सिसोदिया और संजय की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को भी दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और आप सांसद संजय को राहत नहीं दी। इस मसले पर सुनवाई के बाद दिल्ली की अदालत ने दोनों की न्यायिक हिरासत 28 फरवरी तक के लिए बढ़ा दी है। बता दें कि सुनवाई के लिए आप नेता मनीष सिसौदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट लाया गया था। बता दें कि राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया और संजय सिंह की न्यायिक हिरासत 17 फरवरी 2024 तक के लिए बढ़ा दी थी।

INDVsENG मैच: तीसरा दिन, भारत 196/2

यशस्वी शतकवीर, लीड 322... गिल क्रीज पर

एजेंसी। राजकोट

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा मुकाबला राजकोट में खेला जा रहा है। निरंजन शाह क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक 2 विकेट 196 रन बना लिए। इस तरह पहली पारी की 126 रन की लीड के साथ दूसरी पारी में टीम 322 रन से आगे है। भारत से यशस्वी जायसवाल 104 रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हुए। यह उनका तीसरा टेस्ट शतक है। शुभमन गिल 65 और कुलदीप यादव 3 रन बनाकर नॉटआउट लौटे। रोहित शर्मा 19 और रजत पाटीदार शून्य पर आउट हो गए।

पहली पारी में इंग्लैंड ने 319 रन बनाए। टीम से बेन डकेट ने 153 रन की पारी खेली। भारत से मोहम्मद सिराज ने 4 विकेट लिए। भारत ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे। रविवार को चौथे दिन का खेल सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

पाकिस्तान ने फिर उगला जहर

चीन के इशारे पर यूएन में स्थाई सदस्यता रोकने की साजिश में जुटा

- भारत की स्थाई सदस्यता की मांग... अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन साथ
- पाकिस्तान ने स्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाने का विरोध किया
- स्थाई सदस्यों में सिर्फ चीन भारत का समर्थन नहीं करता

एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र

चीन का स्वार्थ के लिए भारत से मीठी बात करना और पीठ पीछे विरोध करना अब विश्व को समझ आने लगा है। अब चीन पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर यूएन में भारत की स्थाई सदस्यता पर निशाना साध रहा है।

इस मामले में हालांकि भारत चार स्थाई सदस्यों के साथ से मजबूत तो है, लेकिन चीन का विरोध इसमें बाधा बना हुआ है। चीन के इशारे पर बेऔकात पाकिस्तान नाहक कूद रहा है। अब यूएन में भी पाकिस्तान ने भारत का विरोध किया है। दरअसल, संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजदूत रुचिरा कंबोज ने यूएन में सुधारों की मांग करते हुए कहा था कि संयुक्त राष्ट्र में स्थाई और अस्थाई सदस्यों की संख्या बढ़ाई जाए।

इसमें एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के देशों को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा था, 'लंबे समय तक 5 सदस्य देशों की इच्छा 188 देशों की सामूहिक इच्छा की अवहेलना करती रहेगी। इसे बदलना होगा।'

पाक ने भारत की मांग का किया विरोध

भारत की इस मांग के खिलाफ पाकिस्तान अब उठ खड़ा हुआ है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए स्थाई सदस्यों को शामिल करने का विरोध करते हुए कहा कि नए सदस्य को बढ़ाना 15 सदस्यीय निकाय (यूएनएससी) को पंगु बना देगा और ज्यादातर छोटे और मध्यम देशों को काम करने से रोकेगा। वैसे, यूएन में पांच स्थाई सदस्यों में से चार अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन भारत को स्थाई सदस्य बनाने के लिए तैयार हैं, लेकिन चीन नहीं चाहता कि भारत स्थाई सदस्य बने। चीन के इशारों पर ही पाकिस्तान इस तरह की बयानबाजी कर रहा है।

विस्तार के खिलाफ है पाकिस्तान!

पाकिस्तान आतंक फैलाता रहा है, जिस कारण उसे स्थाई सदस्यता मिलना असंभव है। इस कारण वह भारत को रोकने में पूरा जोर लगा रहा है। यूएन में पाकिस्तान के राजदूत मुनीर अकरम ने गुरुवार को अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) में प्रतिनिधियों से कहा, 'सुरक्षा परिषद के विस्तार में समान प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना चाहिए, न कि नए ऐतिहासिक अन्याय पैदा करना चाहिए।' पाकिस्तानी दूत परिषद के पुनर्गठन के उद्देश्य से एक समूह के 'एल69 मॉडल' की चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि हमारी मूलभूत समस्या स्थाई सीटों का प्रस्तावित विस्तार है, क्योंकि यही सुरक्षा परिषद में गतिरोध का कारण है। उन्होंने कहा, 'समस्या समाधान नहीं हो सकता।'

भारत ने कहा- ग्लोबल साउथ से अन्याय

भारत, ब्राजील, जर्मनी और जापान पर्मानेंट सीटों का विस्तार चाहते हैं। वे छह अतिरिक्त स्थाई और चार गैर स्थाई सदस्यों के साथ परिषद में 10 सीटों का विस्तार चाहते हैं। भारत ने शनिवार को कहा कि सभी देशों को यूएन में समान अवसर मिलना चाहिए। ग्लोबल साउथ के देशों के साथ ऐतिहासिक रूप से अन्याय किया गया है और इसे तुरंत सही करने की जरूरत है।

जरूरी खबर

छुट्टी के दिन भी खुलेंगे डिस्कॉम कार्यालय

बेधड़क. जयपुर। जयपुर डिस्कॉम कार्यालय छुट्टी वाले दिन भी खुलेंगे। इसके लिए जयपुर डिस्कॉम प्रबंधन ने आदेश जारी किए हैं। जयपुर डिस्कॉम प्रशासन ने यह निर्णय राजस्व वसूली के लिए लिया है। आदेश के अनुसार जयपुर शहर के सभी दफ्तरों को शनिवार और रविवार को खोलने होंगे। 31 मार्च तक के लिए सभी एईएन दफ्तर खोलने होंगे। वित्तीय वर्ष को देखते हुए राजस्व वसूली के लक्ष्य को पूरा करने की कोशिश में यह कदम है। शनिवार-रविवार को भी दफ्तर में राजस्व वसूली से जुड़े काम होंगे।

ऊर्जा विभाग में 21 कार्मिकों के डेपुटेशन रद्द

बेधड़क. जयपुर। ऊर्जा विभाग में डेपुटेशन रद्द किए जा रहे हैं। इसमें 9 एक्सईन और 12 एईएन के डेपुटेशन रद्द गए हैं। राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड से हुए यह डेपुटेशन रद्द किए हैं। जॉइंट सेक्रेटरी ने यह आदेश निकाले हैं। इससे पहले राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम से 41 निगम कार्मिकों के प्रतिनियुक्ति आदेश पहले भी रद्द दिए थे। गौरतलब है कि ऊर्जा राज्य मंत्री हीरालाल नागर के निर्देश पर यह डेपुटेशन को रद्द किया जा रहा है।

रोप-वे विकास के लिए जल्द दिल्ली भेजेंगे प्रस्ताव

बेधड़क.जयपुर। प्रदेश में रोप-वे विकास के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग एक्शन मोड में है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के निर्देश पर इस कार्य ने तेजी पकड़ी है। इसके लिए विभाग में युद्ध स्तर पर काम चल रहा है। अब पीडब्ल्यूडी को 19 फरवरी तक भारत सरकार को प्रस्ताव भेजने के लिए रात-दिन काम कर रहा है। बता दें कि सार्वजनिक निर्माण विभाग और एनएचआई पहले चरण में सवाई माधोपुर, बूंदी, जयपुर, उदयपुर, राजसमंद, सीकर, जोधपुर, दौसा, बारां, बांसवाड़ा, अजमेर और चित्तौड़गढ़ में रोपवे विकसित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में 12 फरवरी को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के साथ अपनी बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के विजन को लेकर रोपवे योजना प्रगति लाने पर जोर दिया था।

पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने ग्रहण की एनएसयूआई की सदस्यता

जो कांग्रेस छोड़ रहे वो ईडी-सीबीआई से डरे: वरुण चौधरी

बेधड़क | जयपुर

जो लोग कांग्रेस छोड़कर जा रहे हैं, वो बड़े व्यापारी हैं या फिर उनकी मजबूरी है कि वो ईडी-सीबीआई से डरकर भाग रहे हैं।

अगर ऐसा नहीं है तो फिर वो अपने बच्चों को पार्टी में एडजस्ट करते हुए लोकसभा और राज्यसभा की सीट के लिए भाग रहे हैं, लेकिन जो किसान परिवार का नौजवान साथी है, वो एनएसयूआई के साथ आ रहा है।

ये बातें शनिवार को जयपुर पहुंचे एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने राजस्थान यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी को एनएसयूआई की सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कही। साथ ही उन्होने आगे बताया कि अब राहुल गांधी की न्याय यात्रा के साथ 2019 से 2022 के बीच सेना में चयनित हुए डेढ़ लाख युवाओं को नियुक्ति दिलाने की मांग और अग्निपथ योजना को बंद कराने को लेकर 'जय जवान : अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध' कैंपेन चलाया जा रहा है।

अग्निपथ योजना को बंद करने की मांग

एनएसयूआई ने केंद्र की मोदी सरकार पर सेना को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए अग्निपथ योजना को बंद करने के खिलाफ आवाज बुलंद की है। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी ने कहा कि अग्निपथ स्कीम से नौजवानों का मनोबल कमजोर हुआ है। इसे लेकर पूरी कांग्रेस पार्टी पुरजोर विरोध करती आई है और हमारी यही मांग है कि 2019 से 2022 के बीच सेना में भर्ती के लिए चयनित युवाओं को नियुक्ति दी जाए। साथ ही अग्निपथ स्कीम को बंद कर सेना भर्ती की स्थायी प्रणाली को लागू किया जाए। चौधरी ने कहा कि अग्निपथ एक ऐसी स्कीम है, जिसमें जवानों की 18 साल की उम्र में भर्ती होगी और 22 साल की उम्र में वो रिटायर हो जाएंगे। ये स्कीम वो व्यक्ति लेकर आए हैं, जो खुद करीब 15 साल सीएम और करीब 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं। आज उनकी उम्र करीब 75 साल है, जबकि एक तरफ कांग्रेस के नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब भारत न्याय यात्रा निकाल रहे हैं। युवाओं, जवानों और किसानों की बात कर रहे हैं और इसी क्रम में अब निर्मल चौधरी ने भी किसानों और जवानों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से एनएसयूआई का हाथ थामा है।

निर्मल चौधरी के लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा

राजस्थान यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ अध्यक्ष निर्मल चौधरी ने शनिवार को कांग्रेस का छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया जॉइन कर लिया है। शनिवार को पीसीसी मुख्यालय में एनएसयूआई की सदस्यता ली। बता दें निर्मल चौधरी लगातार छात्र राजनीति में सक्रिय रहे हैं और चौधरी को सचिन पायलट गुट का माना जाता है। वहीं अब यह भी कहा जा रहा है कि निर्मल चौधरी को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया जा सकता है। निर्मल चौधरी ने एनएसयूआई जॉइन करते हुए कहा कि वह किसान और युवाओं की आवाज बनेंगे। निर्मल चौधरी ने युवाओं को अपनी आवाज बताते हुए समर्थन की मांग की। उन्होंने कहा कि वह कहीं भी और कभी भी युवाओं और नौजवानों के साथ खड़े रहेंगे।

CM भजनलाल शर्मा ने मंत्री कैलाश चौधरी के घर मीटिंग की

बाड़मेर, जैसलमेर लोस सीट के दावेदारों के नाम पर चर्चा

■ दोनों जिलों के बड़े भाजपा नेता बैठक में रहे मौजूद

बेधड़क | जयपुर

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की दो दिवसीय मीटिंग शनिवार से शुरू हो गई है। इस मीटिंग में भाजपा के केंद्रीय नेताओं के साथ-साथ अलग-अलग प्रदेशों के सीएम और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हो रहे हैं।

बात राजस्थान की करें तो इस मीटिंग में भाग लेने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दिल्ली पहुंचे। उनके अलावा प्रदेश के और भी कई नेता दिल्ली पहुंचे। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय परिषद की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेने से पहले राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात की। जिसकी तस्वीरें सीएम ने खुद के सोशल मीडिया से शेयर भी की है। लेकिन इन मुलाकातों के बीच सीएम भजनलाल शर्मा की एक मीटिंग बाड़मेर, जैसलमेर के नेताओं के साथ भी हुई।

यह मीटिंग बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद व केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के मदर टैरेसा क्रीसेंट रोड स्थित दिल्ली आवास पर हुई। पार्टी सूत्रों के अनुसार CM भजनलाल शर्मा ने बाड़मेर, जैलसमेर लोकसभा सीट के दावेदारों के नाम पर चर्चा की साथ ही इस मीटिंग से कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। कैलाश चौधरी के घर पर हुई इस मीटिंग में सिवाना विधायक हमीर सिंह भायल, चौहटन विधायक आदूराम मेघवाल, पचपदरा विधायक अरुण चौधरी, बालोतरा भाजपा जिलाध्यक्ष बाबू सिंह राजगुरु, बाड़मेर भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप पालीवाल, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य खंगार सिंह सोढ़ा, बालोतरा सभापति सुमित्रा जैन, अनंतराम बिश्नोई, सहित संसदीय क्षेत्र बाड़मेर जैसलमेर से जुड़े जनप्रतिनिधि और भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

CM भजनलाल शर्मा के साथ इन नेताओं के मीटिंग की तस्वीर सामने आने के बाद अलग-अलग मायने निकाले जा रहे है। जानकारों की माने तो यह मीटिंग बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा से बार फिर कैलाश चौधरी के नाम पर मुहर लगाने के लिए आयोजित हुई थी। वहीं कुछ राजनीतिज्ञ इसे चौधरी से नाराज रहे क्षेत्रीय विधायकों को मनाने के लिए थी। वही अंदाजा यह भी लगाया जा रहा है कि BJP की मैराथन मीटिंग में जाने से पहले इस लोकसभा सीट की तमाम विधानसभाओं में भाजपा के विधायकों व भाजपा के मजबूत नेताओं के साथ मिलकर चुनावी रणनीति तैयार कर राष्ट्रीय नेतृत्व को प्रस्तुत करने के लिए यह मीटिंग थी।

मीटिंग के कई सियासी मायने

मानवेंद्र सिंह की घर वापसी!

इस मीटिंग के बाद कई सियासी चर्चाएं चल रही है। इसी बीच एक ऐसी चर्चा भी सामने आई है कि इस बार बाड़मेर-जैसलमेर लोकसभा सीट पर भाजपा पुराने दिग्गज नेता के पुत्र को मैदान में उतार सकती है। हालांकि यह अब तक केवल सियासी गलियारों के कयास भर हैं। माना जा रहा है कि वित, विदेश व रक्षा मंत्री रहे जसवंत सिंह जसोल के पुत्र व बाड़मेर-जैसलमेर के पूर्व सांसद रहे मानवेन्द्र सिंह जसोल को एक बार फिर भाजपा की टिकट पर मैदान से चुनावी रण में उतारने के वादे के साथ भाजपा में घर वापसी हो सकती है। बता दें कि मानवेंद्र सिंह पिछले दिनों दुर्घटना का शिकार हो गए थे, उनका इलाज जारी है।

गुस्साए पेरेंट्स ने प्रिंसिपल को घेरा

हिजाब पहनकर छात्राएं पहुंची स्कूल तो टीचर ने लौटाया

बेधड़क | जयपुर

जोधपुर के सरकारी स्कूल से एक विचित्र मामला सामने आया जहां स्कूल यूनिफॉर्म का पालन न करने पर 10वीं और 12वीं की मुस्लिम छात्रा को वापस घर भेज दिया गया। मामला पीपाड़ के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का है जहां स्कूलों में यूनिफॉर्म को अनिवार्य करने के बावजूद कुछ मुस्लिम छात्राओं ने इसका पालन नहीं, जिसके कारण उन्हें घर वापस भेज दिया गया।

स्कूल प्रशासन का कहना है कि छात्राएं स्कूल यूनिफॉर्म पहनने के बजाए हिजाब पहन कर स्कूल पहुंची जिसके बाद यह एक्शन लिया गया। स्कूल प्रशासन ने कहा कि सरकार द्वारा सीधा-सीधा आदेश दिए गए हैं कि बच्चों को स्कूल में यूनिफॉर्म में आना जरूरी है। ऐसे में छात्राओं द्वारा इसका पालन न करने पर उन्हें घर वापस भेजा गया।

वहीं, बच्चों के अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल अध्यापकों द्वारा बच्चों को उनकी यूनिफॉर्म को लेकर विवादित टिप्पणी की गई। पेरेंट्स ने आरोप लगाए कि अध्यापकों ने बच्चों को चंबल का डाकू कहा है जो की बिल्कुल न्याय संगत नहीं है।अभिभावकों का कहना है कि छात्राओं ने सिर्फ सिर पर स्कार्फ बांधा हुआ था जो की हिजाब में शामिल नहीं होता है। यह सिर्फ एक मास्क के रूप में है। क्या कोई भी व्यक्ति अपने स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए मास्क नहीं पहन सकता? जिस तरह से मास्क होता है इस तरह से यह बच्चों के सिर पर इसका बांधा गया था। इसे हिजाब कहना गलत है।

क्या है पूरा घटनाक्रम

शनिवार सुबह कुछ छात्राएं सिर पर बुर्के के ऊपर बांधने वाला स्कार्फ, अपनी यूनिफॉर्म के ऊपर बांधकर स्कूल पहुंची थी। इसपर स्कूल प्रशासन ने उन छात्रों को स्कूल की यूनिफॉर्म पहनकर स्कूल आने को कहा और उन्हें घर भेज दिया। इसके बाद स्कूल छात्राओं के अभिभावक स्कूल पहुंचे और स्कूल प्रधानाध्यापक का विरोध किया।

बाल सुधार गृह का गार्ड और व्यापारी गिरफ्तार

बेधड़क | जयपुर

ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की सूचना पर शनिवार को बाल सुधार गृह के एक गार्ड और व्यापारी को गिरफ्तार किया हैं।

आरोपी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य एक नाबालिग और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों को पैसे देकर आर्थिक सहायता एवं बाहर से अन्य सामान उपलब्ध करवाते थे। क्राइम ब्रांच के एसपी करण शर्मा ने बताया कि 11 फरवरी को जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में स्थित बाल सुधार गृह की जाली तोड़ 22 बाल अपचारी फरार हो गए थे। इनमें एक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ है। जो जयपुर के जवाहर नगर थाना क्षेत्र के जी- क्लब फायरिंग मामले में भी शामिल था। नाबालिग ने बाल सुधार गृह में भी अलग से अपना चार पांच बाल अपचारियों का गिरोह बना रखा है। एसजीटीएफ को जानकारी मिली कि बाल सुधार गृह का गार्ड व व्यापारी पैसे लेकर बाहर से सामान लाकर सहायता प्रदान कर रहे थे।

सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन में टीम गठित की गई थी। टीम ने सूचना मिलने पर बाल सुधार गृह के बाहर दुकान लगाने वाले आरोपी मारोठ नागौर निवासी महेश चन्द जाट और गार्ड खानिया बंधा पुराना घाट चेक पोस्ट ट्रांसपोर्ट नगर निवासी मनोज मीणा को गिरफ्तार कर लिया।

विधानसभा अध्यक्ष ने किए मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन

अधिवक्ता अपनी जिम्मेदारी समझें: वासुदेव देवनानी

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि अधिवक्ता अपनी जिम्मेदारी समझे। हड़ताल ना करें और ना पेशी पर पेशी कराएं। जनता का विश्वास न्याय प्रणाली पर है, उस विश्वास को बनाए रखने में सहयोग करें।

देवनानी ने शनिवार को दौसा में जिला बार एसोसिएशन के शपथ ग्रहण समारोह को सम्बोधित किया। देवनानी ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण करवाई। इससे पहले वासुदेव देवनानी मेहंदीपुर बालाजी पहुंचे। मंदिर पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन कर देवनानी ने विशेष पूजा अर्चना की। मंदिर सचिव एमके माथुर ने विधानसभा स्पीकर की अगवानी की और विधानसभा स्पीकर को बालाजी महाराज का दुपट्टा पहनाकर लड्डू प्रसादी भेंट की। इस दौरान स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कहा मेहंदीपुर बालाजी महाराज के दर्शन कर बहुत सुखद अनुभूति प्राप्त हुई, बालाजी मंदिर की व्यवस्थाओं में परिवर्तन एक आदर्श है। जिस तरह श्रद्धालुओं की मंदिर हॉल दर्शन व्यवस्था देखी वह बहुत ही अद्भुत है, मैं महंत महाराज को साधुवाद देता हूं। इस मौके पर देवनानी के साथ एसडीएम नवनीत कुमार, एसएचओ बुद्धि प्रकाश भी मौजूद रहे।

जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम

विकसित राजस्थान के लिए सकारात्मक सोच के साथ बढ़ना है आगे

बेधड़क | जयपुर

जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प यात्रा संवाद कार्यक्रम शुक्रवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटपूतली में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

कार्यक्रम में आमजन, जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संवाद सुना। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा राज्य के लिए विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण किया गया। मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्य धारा में जोड़ने के लिए कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा की प्रधानमंत्री ने विश्व में देश का मान सम्मान बढ़ाया हैं। प्रधानमंत्री का लक्ष्य 2047 तक देश को विश्व के अग्रणी देशों में शामिल करना हैं। साथ ही कहा की प्रधानमंत्री की योजनाओं से सभी वर्गों के लोग लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने कोटपूतली जिले के लिए कई सौगातें दी हैं, जिसमें कोटपूतली में सड़कों का विस्तार, बानसूर तथा पुतली कट पर फ्लाईओवर का निर्माण, अंबाला से अलवर तक हाईवे का निर्माण, युवाओं के एलबीएस कॉलेज में इंडोर स्टेडियम का निर्माण करवाया गया है साथ ही उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से अपील की कि विकसित भारत तथा विकसित राजस्थान बनाने के लिए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाना है।

महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर

राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीबों की पीड़ा को समझते हुए बहुत सारी योजनाएं घर-घर तक पहुंचाई हैं, पूरे भारत में 11 करोड़ से अधिक महिलाओं को उज्जवला गैस योजना के तहत गैस सिलेंडर वितरित किए हैं। पीने के पानी तथा सिंचाई के लिए हर घर नल योजना, राजस्थान के 23 जिलों के लिए ईआरसीपी योजना इन सभी जिलों के लिए एक वरदान साबित होगी। इस योजना के अंतर्गत 3 लाख हेक्टर भूमि के लिए सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध करवाई जाएगी, साथ ही इसका 90 प्रतिशत पैसा केंद्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। राजस्थान की महिलाओं के लिए राजस्थान सरकार द्वारा उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को 450 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाया जा रहा है।

अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यों की सराहना

राठौड़ ने विकसित भारत संकल्प यात्रा शिविर में केंद्र सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को बधाई दी तथा शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के कार्यों की सराहना की। साथ ही अधिकारियों को इसी तरह आमजन को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने आमजन से प्रेम व भाईचारे के साथ मिलकर आगे बढ़ने की बात कहीं। कार्यक्रम में अधिकारिगण, जनप्रतिनिधि तथा बहुसंख्यक लाभार्थी उपस्थित रहे।

आचार्य प्रमोद कृष्णन को विनायक शर्मा ने भेंट की रामलला की तस्वीर

जयपुर। *सच बेधड़क मीडिया ग्रुप के फाउंडर एवं एडिटर इन चीफ विनायक शर्मा ने कल्किधाम में कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णन से मुलाकात की। उन्होंने आचार्य को अयोध्या से लाए गए रामलला के सिद्ध विग्रह की तस्वीर भेंट की। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 19 फरवरी को कल्कि मंदिर का शिलान्यास करेंगे। इसके लिए विनायक शर्मा ने आचार्य को शुभकानाएं प्रेषित कीं। आचार्य ने भी विनायक शर्मा को सनातन धर्म के प्रचार प्रसार एवं रामाभिषेकम् कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।*

जरूरी खबर

स्वास्थ्य मेलों में मरीजों को मिला उपचार

जयपुर। भारत सरकार की ओर से चलाए जा रहे आयुष्मान भवः अभियान एवं राज्य सरकार की 100 दिवसीय कार्ययोजना के तहत जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (पीएचसी/उपस्वास्थ्य केंद्र) में शनिवार को स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया गया। इन हैल्थ मेलों में आमजन ने बड़ी संख्या में स्वास्थ्य लाभ लिया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर द्वितीय डॉ. बीएल मीणा ने बताया कि जिले के पीएचसी/उपस्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता के लिए प्रत्येक शनिवार को हेल्थ मेलों का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को आयोजित हेल्थ मेलों में मरीजों का स्वास्थ्य का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दी गई।

यूडीएच सेक्रेटरी ने देखी शहर की सफाई व्यवस्था

जयपुर। राजधानी में शनिवार को सफाई व्यवस्था को लेकर यूडीएच सेक्रेटरी टी. रविकांत 4 घंटे दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने घर-घर कचरा कलेक्शन से लेकर डिस्पोजल तक की व्यवस्थाओं को गहनता से देखा। उन्होंने सेवापुरा, मथुरादासपुरा, लंगरियावास में बने डंपिंग यार्ड, वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का निरीक्षण कर वहां 100 फीसदी कचरे का निरस्तारण अगले साल 25 जून तक शुरू करने के निर्देश दिए। सचिव ने सबसे पहले मुरलीपुरा जोन में डोर टू डोर कचरा संग्रहण के लिए शुरू की रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) सिस्टम और उसकी मॉनिटरिंग व्यवस्था को देखा। उन्होंने इस सिस्टम के कंट्रोल रूम का भी निरीक्षण किया। गाड़ियों की मॉनिटरिंग को बेहतर करने और 100 फीसदी डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करवाने पर जोर दिया।

पुलिस द्वारा निगरानी नहीं करने से आरोपियों के हो रहे हौसले बुलंद

2 हजार आदतन बदमाश जमानत पर आकर फिर कर रहे अपराध

ओमप्रकाश शर्मा | बेधड़क

जयपुर। प्रदेश की पुलिस के लिए आदतन बदमाश सिरदर्द बने हुए हैं। बदमाशों पर हत्या, लूट, डकैती व दुष्कर्म जैसे भी गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी जमानत पर बाहर आने के बाद दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध को भी फिर से अंजाम दे रहे हैं। इसकी वजह है पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में ठोस सबूत पेश नहीं कर पाना। ऐसे में बदमाशों की जमानत हो जाती है और फिर से अपराधिक वारदातों को अंजाम देते हैं।

दस साल में 10522 आदतन अपराधियों ने हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म, हत्या का प्रयास, चेन स्नेचिंग, धोखाधड़ी, चोरी, नकबजनी समेत अन्य बार-बार वारदातें करके 44768 घटनाओं को अंजाम दिया है। पुलिस ने 95 फीसदी से ज्यादा मामलों में इन आदतन अपराधियों को गिरफ्तार तो किया, लेकिन जमानत पर बाहर आकर फिर से वारदातें करने लगते हैं। पुलिस ऐसे बदमाशों की जमानत होने पर निगरानी करना ही बंद कर देती है और वे फिर से वारदात करने लगते हैं। दो हजार आदतन बदमाश जमानत पर हैं और अपराधिक वारदातें कर रहे हैं।

दस साल में 10522 आदतन अपराधियों ने 44768 घटनाओं को दिया अंजाम

तस्करों की लिस्ट के बावजूद कार्रवाई नहीं

पुलिस द्वारा बनाई गई गोपनीय रिपोर्ट में सामने आया कि प्रदेश में हथियार सप्लाई करने वाले 866, मादक पदार्थों की सप्लाई करने वाले 319 और अवैध शराब की सप्लाई करने वाले 1969 आदतन बदमाश हैं। इनके खिलाफ पुलिस ने 11 हजार से अधिक मुकदमे दर्ज कर रखे हैं। 800 मामलों में जमानत पर बाहर आने के बाद तस्कर फरार चल रहे हैं।

अपराधियों के खिलाफ 34 हजार प्रकरण कोर्ट में पेंडिंग

पड़ताल में सामने आया कि आदतन अपराधियों के खिलाफ कोर्ट में ट्रायल के 34459 प्रकरण पेंडिंग चल रहे हैं। 8 हजार मामलों में कोर्ट आदतन अपराधियों को सजा सुना चुका है, जबकि 1500 मामलों में आदतन बदमाश कोर्ट से बरी हो चुके हैं। आदतन बदमाशों को 28 हजार मामलों में जमानत मिल चुकी है तथा 6 हजार बदमाश अभी फरार चल रहे हैं। आदतन अपराधियो में से केवल 2 हजार ही इन दिनों प्रदेश की अलग-अलग जेलों में बंद है।

ऐसी है आदतन बदमाशों के अपराध की स्थिति

अपराध	अपराधी	मुकदमे
हत्या	14	83
हत्या का प्रयास	296	1358
दुष्कर्म	14	95
डकैती	60	250
लूट	268	1433
राजकार्य में बाधा	20	80
आर्म्स एक्ट	866	3410
एक्साइज एक्ट	1969	7022
एनडीपीएस एक्ट	319	1114
जुआ एक्ट	3152	13417
चिटिंग फोर्जरी	212	1162
चेन स्नैचिंग	49	275
नकल	5	25
चोरी-नकबजनी	2510	11801

पर्यटकों को परेशान करना पड़ा भारी

दो लपके पुलिस को सौंपे, दो गाइड के लाइसेंस रद्द

बेधड़क | जयपुर

पर्यटन विभाग की ओर से चलाए जा रहे जागरूकता अभियान के तहत शनिवार को पर्यटकों को परेशान करने वाले दो लपकों को पकड़कर पुलिस को सौंपा गया, वहीं दो गाइडों के लाइसेंस रद्द किए गए।

विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि अभियान के दौरान पर्यटकों को गूगल फॉर्म और फीडबैक फॉर्म देकर उनकी समस्याओं को जानकर उस पर कार्यवाही भी की जा रही है। निदेशक पर्यटन विभाग डॉ. रश्मि शर्मा ने बताया कि उपनिदेशक पर्यटन सहायता बल नारायण कुमार बाजिया के नेतृत्व में आमेर में लपकागिरी करते हुए महबूब खान को आमेर पुलिस थाने को सुपुर्द किया गया है। उन्होंने बताया कि चेक करने पर पर्यटक गाइड रतनलाल सैनी के लाइसेंस की अवधि मार्च 2023 में समाप्त होना पाया गया। ऐसे में उसे अवैध रूप से गाइड का काम करते हुए पकड़ कर आमेर पुलिस को सुपुर्द किया गया। आमेर गांधी चौक पर पर्यटक गाइड चरण लाल बुनकर और अभिषेक सिंह शेखावत को पर्यटक वाहनों को रुकवाने तथा जबरदस्ती पर्यटक गाइड करते पाए जाने पर दोनों के लाइसेंस जब्त किए गए।

इसी प्रकार जल महल पर दो नाबालिग बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाना चाह रहे थे, उनको उपनिदेशक पर्यटन सहायता बल की ओर से समझाया गया तथा बिना अनुमति के ड्रोन ना उड़ाने के लिए पाबंद किया।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

मौसम खुला तो भागी सर्दी

जयपुर। *राजधानी में शनिवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला। इसके चलते दिनभर गर्मी का अहसास हुआ। मौसम में बदलाव का यह असर आमेर में घूमने आए पर्यटकों पर भी दिखा। ज्यादातर गर्म कपड़ों को कमर पर बांधे या सिर पर डाले नजर आए।* ***-फोटो: राजेश कुमावत***

'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान में कार्रवाई

300 किलो मिलावटी पनीर फिंकवाया

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में सरकार की ओर से 15 फरवरी से शुरू किए गए 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान में लगातार कार्रवाई जारी है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय के खाद्य सुरक्षा दल की ओर से कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने शनिवार सुबह सूचना के आधार पर रामगढ़ अलवर से परिवहन कर जयपुर लाए जा रहे

पनीर से भरी पिकअप को थड़ी मार्केट मानसरोवर में पकड़ा। इसमें 7 बॉक्स में लगभग 300 किलो पनीर भरा हुआ था, जो प्रथम दृष्टि में मिलावटी होना पाया गया। यह पनीर अजरू उर्फ अकरम निवासी रामगढ़ जिला अलवर द्वारा जयपुर में बेचने के लिए लाया जा रहा था। मौके पर ही पनीर का नमूना लेने के बाद मालिक गवाह की उपस्थिति में मौके पर ही नष्ट करवाया गया। कार्रवाई दल में सीएमएचओ सैकंड के खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजेश कुमार नागर के साथ दीपक कुमार सिंधी, अवधेश गुप्ता शामिल रहे। सीएमएचओ जयपुर सैकंड डॉ. बीएल मीणा ने बताया कि राज्य सरकार के इस विशेष अभियान को सफल बनाने, मिलावटखोरी करने वालों पर सख्त कार्यवाही करने एवं आमजन को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए भविष्य में इस प्रकार की कार्यवाही जारी रखी जाएगी।

अधीनस्थ को नहीं मिलेगा आयुक्त या ईओ का चार्ज

अतिरिक्त चार्ज देकर सुधारी जाएगी नगरीय निकायों की पूरी व्यवस्था

बेधड़क | जयपुर

स्वायत्त शासन विभाग ने नगरीय निकायों में आयुक्त या अधिशासी अधिकारी के खाली पद का अतिरिक्त कार्यभार समकक्ष या अधीनस्थ अधिकारियों को दिए जाने पर रोक लगा दी है। इसके लिए विभाग के निदेशक सुरेश कुमार ओला ने आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के बाद अब किसी दूसरी जगह पदस्थापित आयुक्त या अधिशासी अधिकारी को अतिरिक्त चार्ज देकर व्यवस्थाओं को सुधारा जाएगा।

विभाग निदेशक की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि राज्य के नगरीय निकायों में आयुक्त या अधिशासी अधिकारी के पद का कार्यभार अब तक अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक आदि कार्मिक देख रहे थे। अब तत्काल प्रभाव से इनके आदेश वापस लिए जाते हैं।

भविष्य में किसी स्तर पर से इस स्तर के कार्मिकों को आयुक्त या अधिशासी अधिकारी का कार्यभार नहीं दिया जाए। इधर, विभाग का दावा है कि अधिशासी स्तर के अधिकारी विभाग में सही स्थिति में उपलब्ध है।

कुछ प्रतिशत इनकी संख्या कम हैं, वहां पर जिला कलेक्टर के माध्यम से उच्च श्रेणी के अफसरों को चार्ज देकर काम करवाया जा सकेगा।

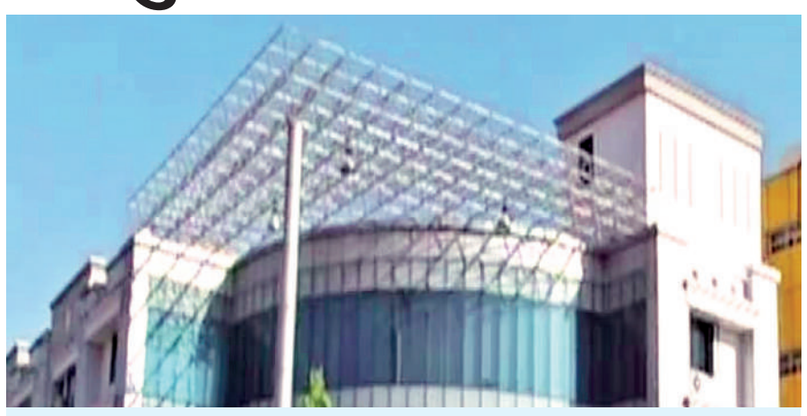

> निकायों में आयुक्त या अधिशासी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देखने वाले अधिकारियों से यह कार्यभार वापस लेने का फैसला लिया गया है। इसके लिए हमने काफी एक्सरसाइज की है। इस फैसले से कहीं कार्य प्रभावित होने नहीं दिया जाएगा।
>
> **सुरेश कुमार ओला,** निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग, जयपुर

इसलिए लेना पड़ा फैसला

जानकारी के अनुसार अब तक राजस्व निरीक्षक, सहायक राजस्व निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक आदि को निकायों में आयुक्त या अधिशासी अधिकारी का खाली पद का चार्ज दिया जाता था। मगर इसके बाद गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हो पा रहे थे। कहीं, कोई अधिकारी टेंडर नहीं कर पा रहा था तो कहीं कोई अधिकारी फाइल को मूवमेंट सहीं तरीके से नहीं कर पा रहा था। साथ ही नगरपालिका एक्ट के अनुसार विपरीत भी था। ऐसे में मंत्री व सचिव लेवल पर काफी चर्चा की गई। इसके बाद इन कर्मचारियों से अतिरिक्त कार्यभार का काम लेने का फैसला हुआ।

हो सकता है कार्य प्रभावित

जानकारों की मानें तो विभाग के इस आदेश से एकबारगी नगरीय निकायों में कार्य प्रभावित होने की आशंका है, क्योंकि विभाग में पर्याप्त संख्या में अधिशासी अधिकारी और आयुक्त स्तर के अधिकारी नहीं हैं। नए आदेश से अतिरिक्त चार्ज लेने वाले अधिकारी को निकायों में आने-जाने में काफी समय लगेगा। एक अधिकारी के दो-दो तीन-तीन निकायों का चार्ज रहेगा।

हेरिटेज में श्रवण कुमार को डीसी लगाया

विभाग ने जोधपुर जेडीए से श्रवण कुमार का तबादला कर जयपुर में हेरिटेज निगम में उपायुक्त (डीसी) के पद पर लगाया है। इसी तरह राजस्व अधिकारी तृतीय तनुजा सौलंकी को राजस्थान अल्प संख्यक वित्त एवं विकास सहकारी लिमिटेड से और रामरतन चौधरी को बिलाड़ा नगरपालिका से हटाकर निदेशालय के लिए एपीओ किया गया है।

नई भर्ती में अफसर मिलने पर मिटेगी दिक्कत

पिछले सरकार में विभाग ने नए अधिशासी अधिकारियों और अन्य अधिकारियों की भर्ती की थी। अभी उसकी प्रक्रिया चल रही है। कुछ दिनों में इस प्रक्रिया के बाद विभाग के पास पर्याप्त आयुक्त या अधिशासी स्तर के अधिकारी हो जाएंगे।

जरूरी खबर

यमुना जल के लिए आज से झुंझुनूं में धरना

झुंझुनूं। यमुना के जल को लेकर आंदोलन को तेज करने की रणनीति बनने लगी है। शनिवार को एक बार फिर संघर्ष समिति के सदस्य झुंझुनूं के झुंझार सिंह पार्क में जुटे। संयोजक सहीराम चौधरी ने बताया कि जिला मुख्यालय पर रविवार से लगातार धरना शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद 27 फरवरी को जिला मुख्यालय पर किसान कलेक्ट्रेट का घेराव करेंगे। उन्होंने कहा कि हमें ताजेवाला से ही 1994 के समझौते के अनुसार पानी चाहिए।

4 माह से भुगतान नहीं, परिवार चलाने का संकट

झुंझुनूं। जिले में मनरेगा के तहत मजदूरी करने वाले मजदूरों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। मजदूर अब उधारी लेकर घर चलाने को मजबूर हो गए हैं। दरअसल करीब चार महीने से मनरेगा मजदूरों को भुगतान नहीं हुआ है। कई घर तो ऐसे हैं, जो मनरेगा मजदूरी पर ही निर्भर हैं। भुगतान अटकने से उनके सामने परिवार चलाने की समस्या खड़ी हो गई है। श्रमिक अपनी मजदूरी के लिए रोज ग्राम पंचायत के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन निराशा ही हाथ लग रही है। यह स्थिति झुंझुनूं की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश की है। प्रदेश के हर जिलों में मनरेगा कर्मचारियों का भुगतान अटका हुआ है।

आज तालीम सबसे जरूरी, बेटा-बेटी में नहीं करें फर्क

झुंझुनूं। मुस्लिम वेलफेयर फ्रंट की ओर से शनिवार को थ्री डॉट्स चिल्ड्रन एकेडमी में चौथा तालीमी कॉन्फ्रेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में पंजाब के शाही इमाम उस्मान लुधियानवी ने तालीम को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हमें अपने बच्चों को तालीम दिलानी होगी। इसके बिना समाज की तरक्की नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि बच्चे दुनिया के साथ-साथ दीन भी सीखे। इससे बच्चों के संस्कार में विकास होगा और समाज विकास की राह पर बढ़ सकेगा। इस दौरान सरकारी सेवाओं में चयनित, बोर्ड परीक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, खेल व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली 348 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण आंदोलन: समिति ने दिया नारा- 'भाजपा से वैर नहीं-आरक्षण नहीं तो खैर नहीं'

धरना स्थल पर 21 को महापंचायत, तय होगी आगामी रणनीति

बेधड़क | भरतपुर

जिले के जयचोली गांव में जाट समाज का महापड़ाव शनिवार को 32वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान संघर्ष समिति ने नारा दिया- 'भाजपा से वैर नहीं-आरक्षण नहीं तो खैर नहीं'।

संघर्ष समिति संयोजक नेम सिंह फौजदार ने बताया कि 21 फरवरी को धरना स्थल पर एक महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें समाज आंदोलन को लेकर आगे की रूप-रेखा को तय करेगा। उन्होंने कहा कि समाज पिछले 32 दिन से नोटिफिकेशन जारी करने का इंतजार कर रहा है। सरकार ने जल्द नोटिफिकेशन जारी नहीं किया तो जिलेभर में पोस्टर लगाए जाएंगे। इन पर लिखा होगा 'आरक्षण नहीं तो वोट नहीं,' 'भाजपा से वैर नहीं आरक्षण नहीं तो खैर नहीं।' फौजदार ने बताया कि आंदोलन 17 जनवरी से गांधीवादी तरीके से चल रहा है। बीच-बीच में संघर्ष समिति ने निर्णय लिए। इसके तहत 7 फरवरी को रेल की पटरी जाम होनी थी।

सरकार ने सकारात्मक रुख अपनाया। 6 फरवरी को वार्ता हुई वार्ता हमारे पक्ष में हुई। इसके बाद पटरी जाम को स्थगित किया गया। 13 फरवरी को राज्य सरकार ने ओबीसी आयोग के सामने गंभीरता से हमारा पक्ष रखा। इसके लिए हम सरकार को धन्यवाद देते हैं। अब केंद्र सरकार चाहे तो 1 घंटे में जाट समाज को आरक्षण दे सकती है।

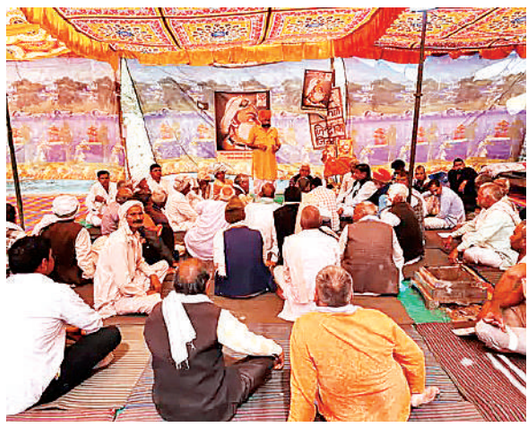

अब केंद्र सरकार स्पस्ट करें अपनी मंशा

फौजदार ने बताया कि हमारी कागजी कार्रवाई और सुनवाई पूरी हो चुकी है। अब सरकार देरी करती है तो, इससे साफ होता है कि सरकार की मंशा आंदोलन को उग्र करवाने की है। इसको लेकर केंद्र सरकार अपनी मंशा स्पस्ट करें। उन्होंने कहा कि 21 फरवरी को जयचौली के महापड़ाव स्थल पर एक महापंचायत की जाएगी। जिस तरीके से हमने रेल पटरी को जाम करने का फैसला लिया था। अब 21 फरवरी को समाज जो भी निर्णय लेगा वह अंतिम निर्णय होगा। सरकार की सकारात्मक पहल पर जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने सरकार को धन्यवाद भी दिया है। हमने अपने दो महापड़ाव को स्थगित करवाया। जब हम जयचोली में बैठे तो आर-पार की लड़ाई का संकल्प लेकर बैठे थे।

एक लाख बड़े पोस्टर छपवाए, जिन पर लिखा नारा

नेम सिंह फौजदार ने बताया कि हमारा आंदोलन तब तक चलेगा जब तक नोटिफिकेशन जारी नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 1 लाख बड़े पोस्टर बनवाए गए हैं, जो जाट समाज के लोगों के घर पर लगाए जाएंगे। पोस्टर पर लिखवाया गया है 'आरक्षण नहीं तो वोट नहीं, 'भाजपा से वैर नहीं और आरक्षण नहीं तो खैर नहीं', इन पोस्टरों को धौलपुर भरतपुर और डीग में लगाया जाएगा। अगर हमें आरक्षण नहीं दिया तो, लोकसभा चुनावों में बीजेपी को हम भरतपुर सीट जीतने नहीं देंगे। जिले में जाट समाज के 6 लाख वोट हैं और जाट समाज ही यहां का सांसद तय करता है। सरकार का इंतजार करते हुए हमें 32 दिन हो चुके हैं। सरकार हमें नोटिफिकेशन जारी करने की तारीख दे, हम सरकार को धन्यवाद देने लिए यात्रा निकालने को तैयार बैठे हैं।

'वायु शक्ति' युद्धाभ्यास में दिखी इंडियन एयरफोर्स की ताकत

आतंकी ठिकानों पर उतरे कमांडो सुखोई ने दुश्मन पर साधा निशाना

बेधड़क | जैसलमेर

दुश्मन के ठिकानों पर बम बरसाते हवाई जहाज, हेलिकॉप्टर से पैराशूट से उतरकर आतंकी ठिकानों पर हमला बोलते जवान और धमाकों से गूंजता माहौल। ये नजारा था शनिवार को भारत-पाकिस्तान बॉर्डर से सटे जैसलमेर जिले के पोकरण स्थित फायरिंग रेंज का।

यहां भारतीय वायु सेना ने 'वायु शक्ति' युद्धाभ्यास के दौरान अपनी ताकत दिखाई। युद्धाभ्यास के दौरान पूरी फायरिंग रेंज में वैसा ही माहौल नजर आया जैसा किसी युद्ध में होता है। युद्धाभ्यास की शुरूआत तीन चेतक हेलिकॉप्टर के फ्लैग पास्ट के साथ हुई। राफेल विमान 1300 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से फायरिंग रेंज में उतरे।

इस युद्धाभ्यास में दुश्मनों के 16 ठिकानों को तबाह किया गया। इसमें हवाई पट्टी, कमांड सेंटर, ब्रिज, हथियारों का डिपो, टैंक शामिल हैं।

युद्धाभ्यास के दौरान दो जगुआर ने आसमान से 2700 किलोग्राम बम गिराकर दुश्मन के फ्यूल सिस्टम को उड़ा दिया। सुखोई ने 4400 किग्रा बम गिराकर दुश्मन के ठिकानों को तहस-नहस कर दिया। तेजस, मिग और राफेल हेलिकॉप्टर ने भी दुश्मन के ठिकानों पर हमला कर उनके सिक्योरिटी सिस्टम को ध्वस्त कर दिया।

युद्धाभ्यास के दौरान एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी बतौर चीफ गेस्ट मौजूद रहे। युद्धाभ्यास के दौरान वायु सेना के जवानों जज्बा बखूबी दिखाई दिया। दुश्मन पर जीत के लिए योजना के अनुसार जवानों ने हमला बोला। वहीं बम बरसाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया।

हेलिकॉप्टर से उतरे पैराट्रूपर्स

युद्धाभ्यास के दौरान उस समय हेरतअंगेज नजारा दिखाई दिया जब एयरफोर्स के पैराट्रूपर्स ने हेलिकॉप्टर से छलांग लगाई। इसके बाद तेजी से नीचे आते जवानों ने पैराशूट खोले और आसमान में तिरंगे का फॉर्मेशन बनाया तो अलग ही नजारा दिखाई दिया। इसके दौरान सेना के हेलिकॉप्टरों ने भी अपनी ताकत दिखाई। इसके तहत चिनूक हेलिकॉप्टर ने होवित्जर तोप को अपने ठिकानों तक पहुंचाया। वहीं हरक्यूलिस विमान ने मिशन के लिए वायु सेना के गरुड़ कमांडों को अपने नियत स्थान तक पहुंचाया। इसी तरह अपाचे हेलिकॉप्टर्स ने दुश्मन के बहुत करीब जाकर हमला बोलकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। एमआई 17 हेलिकॉप्टर्स ने भी अपनी हमलावर क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया।

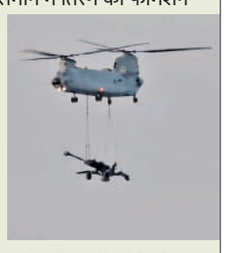

लड़ाकू विमानों और मिसाइलों का प्रदर्शन

'वायु शक्ति' युद्धाभ्यास में सुखोई फाइटर प्लेन और मिसाइलों की ताकत को भी प्रदर्शित किया गया। इसके तहत दो सुखोई फाइटर ने दुश्मन की हवाई पट्टी को तबाह कर दिया। वहीं भारत में बने तेजस विमान ने दुश्मन के कमांड एंड कंट्रोल सेंट्रल पर सटिक हमला बोला। वहीं राफेल विमान ने मीका मिसाइल से हवा में टारगेट पर निशाना साधा। इसी बीच सुखोई विमान ने दुश्मन के एक ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। दूसरी तरफ दुश्मन के हथियारों के ठिकानों पर जगुआर विमान ने हमला बोल कर उसे तहस-नहस कर दिया। प्रचंड हेलिकॉप्टर ने एक साथ 24 रॉकेट दागे और दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर दिया। इसी बीच गरुड़ कमांडो ने हमला बोलकर आतंकवादियों को मार गिराया। एमआई हेलिकॉप्टर की मदद से टारगेट पॉइंट पर गरुड़ कमांडो उतरे।

प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम

मंदिर से मां चामुंडा की प्रतिमा चोरी, आक्रोशित लोगों ने घेरा थाना

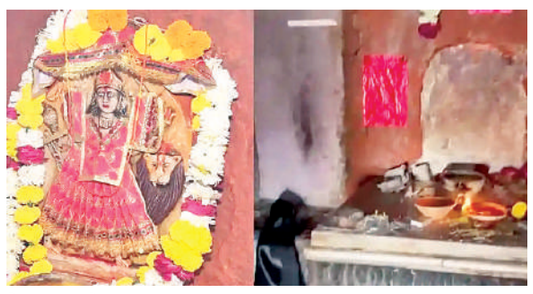

बेधड़क | जोधपुर

शहर के पहाड़ी की टेकरी स्थित प्राचीन चामुंडा माता मंदिर से प्रतिमा चोरी का मामला सामने आया है। मंदिर में बदमाशों ने तोड़फोड़ भी की और गंदगी भी फैलाई है। इसके अलावा एक काला कपड़ा भी वहां मिला है।

शनिवार सुबह जब भक्त दर्शन के लिए पहुंचे तो वहां मूर्ति को न देखकर उनके होश उड़ गए। जानकारी मिलने पर मंडोर थाने से पुलिस भी मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू करने के लिए टीमें बनाई है। स्थानीय लोगों ने घटना को लेकर रोष व्यक्त करते हुए प्रशासन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। क्षेत्रवासी प्रविंदर सिंह ने बताया कि मंदिर की पूजा का काम हुक्माराम माली देखते हैं। शुक्रवार शाम को वे पूजा कर के गए थे। शनिवार सुबह जब मंदिर पहुंचे तो उन्हें मूर्ति गायब मिली। मंदिर में शोच कर गंदगी भी फैलाई गई।

क्षेत्रवासियों को इस घटना का पता चला तो लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। एसीपी मंडोर पीयूष कविया की अगुवाई में वारदात के खुलासे के लिए टीमें बनाई गठित की गई है। एफएसएल की टीमें भी मौके पहुंची और साक्ष्य जुटाए। यह मंदिर मंडोर किले के पास स्थित पहाड़ी पर बना हुआ है।

बताया जा रहा है कि यह मंदिर चौथी शताब्दी का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुरातत्व विभाग की वजह से इस जर्जर मंदिर की मरम्मत नहीं कर पा रहे हैं, लेकिन आज इस घटना के बाद भी विभाग का कोई अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा है। इसको लेकर भी लोगों में नाराजगी है।

धौलपुर के दिहोली गांव के पास हुआ भीषण हादसा

ट्रैक्टर टेंपो से टकराया, तीन की मौत

बेधड़क | धौलपुर

जिले के दिहोली गांव के नजदीक शनिवार को ट्रैक्टर और टेंपो की टक्कर में 3 लोगों की जान चली गई। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से एक घंटे की मशक्कत के बाद घायलों को टेंपो से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मरेना गांव निवास श्रद्धालु टेंपो में सवार होकर कैला देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार में काल बनकर आए ट्रैक्टर ने टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। हादसे में घायल जसवंत सिंह (35) पुत्र बाबूलाल, टेंपो चालक हरिओम (45) पुत्र जगदीश और अयोध्या (38) पुत्र कुंदन सिंह को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों तीनों को मृत घोषित कर दिया।

इन यात्रियों की मौत की खबर सुनकर परिजनों में मातम छा गया। वहीं पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सिकंदरा के निहालपुरा में मनाई भगवान देवनारायण जयंती

ERCP से प्रदेश के विकास को लगेंगे पंख: मीना

बेधड़क | सिकंदरा

गांव निहालपुरा के देवनारायण मंदिर में शनिवार को देवनारायण जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस मौके पर आयोजित पद दंगल कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के युवा नेता और ईआरसीपी किसान विकास समिति के मुख्य संयोजक एडवोकेट रविन्द्र मीना मुख्य अतिथि रहे।

मीना ने उपस्थित जनसमूह को ईआरसीपी के बारे में विस्तार से से जानकारी दी और इसे भाजपा की डबल इंजन सरकार की पूर्वी राजस्थान के 21 जिलों के लिए बड़ी सौगात बताया। उन्होंने बताया कि ईआरसीपी से पूर्वी राजस्थान के विकास को पंख लगेंगे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रहलाद सिंह जेलर, पूर्व सरपंच लक्ष्मण सिंह, भाजपा के मंडल अध्यक्ष दयाराम मीना, हरेत सिंह गुर्जर, रामचंद्र गुर्जर, नरशी डोई गोठडी आदि प्रमुख लोगों ने रविन्द्र मीना का माला और साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान एडवोकेट सुमंत मीना, कुलदीप कांसला, अशोक कुमार मीना, गोविंद, सोहन सिंह आदि भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। समारोह के दौरान धवलेराम मीना एंड पार्टी व शेरसिंह गुर्जर एंड पार्टी ने पद गायन के माध्यम से भगवान देवनारायण की महिमा बताई। पद गायन पार्टियों ने ईआरसीपी पर भी गीत प्रस्तुत किए। इस मौके पर आयोजित प्रसादी के लिए अपनी ओर से आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इसके साथ पद गायन पार्टियों को भी उत्साहवर्धन के लिए नकद पुरस्कार प्रदान किए।

इस दौरान रविन्द्र मीना ने केंद्र और राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईआरसीपी योजना से पेयजल के साथ सिंचाई के लिए पानी की कोई कमी नहीं रहेगी। इस दौरान लोगों ने ईआरसीपी की मंजूरी पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का आभार जताया।

नशा तस्कर अपना रहे नित नए तरीके

ट्रक में संतरों के बीच मिली शराब, तेल टेंकर से डोडा-चूरा किया बरामद

बेधड़क | जोधपुर/चित्तौड़गढ़

नशा तस्करों के खिलाफ पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। वहीं नशा तस्कर भी पुलिस से बचने के लिए नित नए तरीके अपना रहे हैं। पुलिस ने प्रदेश के दो जिलों में भारी मात्रा में मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इनमें नशा तस्करी के लिए अलग ही तरीका देखने को मिला।

जोधपुर में संतरों से भरे ट्रक में सवा करोड़ की शराब भरी मिली तो वहीं चित्तौड़गढ़ में तेल टेंकर से करोड़ों रुपए का डोडा चूरा बरामद किया गया। जानकारी के अनुसार जोधपुर जिला ग्रामीण पुलिस ने नाकाबंदी कर संतरे के ट्रक में छिपाकर कर रखे गए 1250 शराब के कर्टन जब्त किए हैं। इस मामले में दो ट्रक ड्राइवरों को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव को मद्देनजर मादक पदार्थ तस्करो के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बालेसर थाना पुलिस की जानकारी पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान महाराष्ट्र नंबर का खाली ट्रक आया। इसको रुकवाने का प्रयास किया गया तो भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर ट्रक रुकवा कर ड्राइवर को पकड़ा। थोड़ी देर में दूसरा ट्रक आया, जिसमे संतरे भरे हुए थे, लेकिन पुलिस को पहले से ही सूचना थी इसलिए पूरे ट्रक की गहनता से जांच की गई। संतरों के बीच शराब के करीब 1250 कर्टन छिपाकर रखे गए थे। शराब की अनुमानित बाजार मूल्य 1.25 करोड़ के करीब बताई जा रही है।

खेड़ापा एसएचओ ओमप्रकाश एनआर ने बताया कि शराब से भरे ट्रक से पहले महाराष्ट्र नंबर का ट्रक आया। इसमें दो लोग मौजूद थे। चौहटन के गांगल निवासी सवाईराम किसी अन्य को रूट की स्थिति बता रहा था। वहीं दूसरा व्यक्ति शराब लेकर पीछे आ रहे चालक को गाइड कर रहा था, जबकि दोनों ट्रक के ड्राइवर एक-दूसरे को नहीं जानते हैं।

1.70 करोड़ का 16 क्विटंल 97 किलो डोडा-चूरा पकड़ा

चित्तौड़गढ़। जिले की सदर निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। नाकाबंदी के दौरान एक तेल के टेंकर से अवैध रूप से परिवहन किया जा रहा 16 क्विटंल 97 किलो डोडाचूरा पकड़ा गया, इसकी ब्लैक मार्केट में कीमत 1 करोड़ 70 लाख रुपए आंकी गई है। इस मामले में जोधपुर जिले के चालक को गिरफ्तार किया गया है। इस साल तस्करी के खिलाफ सदर पुलिस की यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है। पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस उप निरीक्षक भगवत सिंह ने टीम के साथ तड़के नीमच-चित्तौड़गढ़ हाईवे रोड पर नाकाबंदी की गई। इस दौरान नीमच की तरफ से एक तेल का टेंकर आया। इसको चैक करने के लिए रुकवाना चाहा, तो चालक ने वाहन की गति बढ़ा दी। टेंकर को बैरियर की सहायता से रोका गया। टेंकर के रुकते ही चालक कूदकर भागने लगा, लेकिन पुलिस जवानों ने उसको दबोच लिया। टेंकर की उपरी सतह सामान्य टेंकर की सतह से अलग नजर आई। संदेह के आधार पर टेंकर की सतह के बोल्ट खोलकर अन्दर देखा, तो प्लास्टिक के काले कट्टे रखे हुए थे। कट्टों को नीचे उतार कर चैक किया तो इनमें 92 कट्टो में 16 क्विटंल 97 किलो 200 ग्राम अवैध डोडा चूरा पाया गया। जिसे जब्त कर टेंकर चालक जोधपुर जिले के भोपालगढ़ थानान्तर्गत बुडकिया गांव के सुनील जाट को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से डोडाचूरा खरीद फरोख्त करने वालों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

IIT रुड़की एल्यूमिनी एसोसिएशन जयपुर चैप्टर के सम्मेलन में जुटे पूर्व छात्र

सहपाठियों ने यादों के साथ साझा किए अनुभव, नॉलेज और स्किल्स

बेधड़क | जयपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की एल्यूमिनी एसोसिएशन, जयपुर चैप्टर (IITRAAJC) का एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन GDTECH- 2024 राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में संपन्न हुआ।

CBIP नई दिल्ली, BLAL इंस्टिट्यूट और इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल के सहयोग से आयोजित सम्मेलन में आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों ने अपने अनुभवों के साथ ही अपनी स्किल्स को भी साझा किया।

सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुतियों, पोस्टर प्रस्तुतियों और नवीनतम हरित व डिजिटल प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विचारों का प्रदर्शन करने के लिए आयोजित 'हरित थॉन- एक विचार प्रदर्शन' विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

मुख्य अतिथि आईएएस अजिताभ शर्मा ने 'विकेड समस्या' और उसके समाधान पर '3-डी तकनीकः - डीमैटीरियलाइज, डीकार्बोनाइज और डीटॉक्सीफाई' के माध्यम से चर्चा की। मुख्य अतिथि आईएफएस शैलजा देवल ने प्राकृतिक संसाधनों और जैव विविधता के संरक्षण के महत्व पर बातचीत की। विशेष अतिथियों में सीबीआईपी के विशेष सलाहकार एके श्रीवास्तव व सचिव विज्ञान भारती डॉ. मेघेंद्र शर्मा शामिल थे। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट हरि शंकर शर्मा, और वैश्विक अध्यक्ष डॉ. बी लाल गुप्ता, मनीष गुप्ता, लेफ्टिनेंट जनरल विश्वंभर सिंह, AVSM, VSM ने प्रतिभागियों की अगवानी की। संस्थान के सचिव पंकज बंसल ने बताया कि सम्मेलन ने प्रौद्योगिकी और स्थायिता के क्षेत्र में वार्ता को प्रोत्साहित करने का उद्देश्य रखा था। कोषाध्यक्ष प्रतीक अग्रवाल ने बताया कि समारोह में शहर के विभिन्न कॉलेज व विद्यालयों के टीचर व विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें JECRC, वनस्थली, BITS मेसरा, MNIT, मनिपाल यूनिवर्सिटी, BLAL इंस्टिट्यूट, जयश्री पेरिवाल स्कूल ने गर्मजोशी से भाग लिया। संस्थान की कार्यकारिणी के सदस्य अशोक शर्मा, एम के जैन, संजय शुक्ला, रोहित गोयल, हितेश शर्मा, खेलेंदर अग्रवाल व अन्य मौजूद रहे ।

हरित स्टार्टअप्स पर हुई चर्चा

'हरित स्टार्टअप्स से सफलता की कहानियां: चुनौतियों का सामना और प्रेरणा का पता लगाना' विषय पर पैनल चर्चा में अमित कुमार जैन, पिंकी महेश्वरी, आशु गुप्ता, राशि जैन, स्तुति अरोड़ा और डॉ. सुदीप्ति अरोड़ा जैसे उद्यमियों ने भाग लिया। प्रो. दिलीप शर्मा और प्रो. रोहित गोयल द्वारा शासित सत्रों में, हरित और डिजिटल प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर विचार साझा किए गए।

Yuva स्टोरीज

प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए प्रतिबद्धता जरूरी

जयपुर। उत्कृष्ट कार्य संस्कृति के लिए तकनीकी कर्मियों के बीच व्यावसायिक नैतिकता और मानव मूल्यों को स्थापित करने के लिए स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के अंतिम सत्र में सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं आचार समिति के सदस्य और सहायक आचार्य डॉ. अमित झालानी ने कहा कि हमें अपनी प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए सिर्फ अपने कार्य में पारंगत होना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि इसके साथ ही कार्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता होना भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि मानवीय मूल्यों और नैतिकता को हमें सही निर्णय लेने, दूसरों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने और जिम्मेदार इंसान होने की भावना को बढ़ावा देने में मार्गदर्शन करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं आचार समिति द्वारा किया गया। सार्वभौमिक मानवीय मूल्य एवं आचार समिति की समन्वयक डॉ. निधि शर्मा ने कार्यशाला का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी का आभार प्रकट किया। इस अवसर पर संस्थान के डीन प्रो. आरके जैन और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यशाला में संस्थान के 80 तकनीकी कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों का कहना था कि इस तरह की कार्यशालाएं समय समय पर आयोजित होनी चाहिए। अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्टूडेंट्स ने साकार किया भगवान कृष्ण का जीवन

जयपुर। लॉर्ड कृष्ण का संपूर्ण जीवन नवरस के इर्द-गिर्द ही घूमता है। नन्हे-मुन्ने बच्चों ने श्रृंगार, हास्य, करुण, रौद्र, वीर, भयानक, वीभत्स, शांत और अद्भुत रस को अपनी मनमोहक नाटक प्रस्तुति से जीवंत कर दिया। अवसर था जेएलएन मार्ग स्थित सन इंडिया स्कूल में शनिवार को नवरस थीम पर आयोजित एनुअल फंक्शन का। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट रिटायर्ड आईएएस अनिल अग्रवाल और गेस्ट ऑफ ऑनर मयूर स्कूल के चेयरमैन नमन कंदोई रहे। डायरेक्टर अंशिता गुप्ता और रितिका अग्रवाल ने बताया कि स्टूडेंट्स ने कृष्णलीला नाटक में कालिया वध, कंस वध और चीरहरण के माध्यम से कृष्ण के जीवन में नवरस को दर्शाया। स्टूडेंट्स ने देशभक्ति गानों के माध्यम से दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। सीनियर और केजी के बच्चों को ग्रेजुएशन सेरेमनी में सर्टिफिकेट भी दिए गए।

फाउंडेशन डे पर साझा की सक्सेस जर्नी

जयपुर। सफलता का कोई तय पैमाना नहीं है, ना ही कोई सटीक मापदंड। हां, सही दिशा में सकारात्मक सोच के साथ सतत एवं अथक प्रयास कीजिए, ईश्वर आपका साथ जरूर देंगे, ये तय है। कुछ ऐसे ही प्रेरक उद्बोधन के साथ पोद्दार ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डा. आनंद पोद्दार शनिवार को संस्थान के 26 वे फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन में स्टूडेंट्स एवं फैकल्टी से रूबरू हुए। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान की सक्सेस जर्नी साझा करते हुए इसमें आए उतार चढ़ाव एवं संघर्ष की जानकारी दी। पोद्दार ने आने वाले समय में रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इंडियन नॉलेज सिस्टम, एनईपी, ग्रीन रिवोल्यूशन जैसे ग्लोबल मुद्दों पर आधारित शिक्षा पर फोकस करने की बात कही। उन्होंने संस्थान के नवाचारों के बारे मे जानकारी दी। फाउंडेशन डे सेलिब्रेशन के दौरान संस्थान के सभी छह कॉलेजों के हैड ने पैनल डिस्कशन में हिस्सा लिया और अपने कॉलेजों की गतिविधियों से अवगत करवाया। इस दौरान वाइस चेयरपर्सन रूपल पोद्दार, प्रवीण गोस्वामी, सुनील कक्कड़, मीनू मंगल, रुचिर सक्सेना, डॉ. हर्ष, डॉ. अविनाश समेत अन्य एचओडी ने अपना आगामी विजन बताया। कार्यक्रम में कॉलेज के विभिन्न कॉरपोरेट्स मे काम कर रहे एलुमिनी स्टूडेंट्स भी शामिल हुए। अंत में केक कटिंग कर इस दिन का जश्न मनाया गया।

सुबोध गर्ल्स कॉलेज में एनुअल फेस्ट 'पिनेकल'

प्रतिभा को मिला पुरस्कार बिखरे लोक संस्कृति के रंग

बेधड़क | जयपुर

रामबाग चौराहा स्थित सुबोध महिला महाविद्यालय के सभागार में शनिवार को आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह 'पिनेकल' में रंगारंग कार्यक्रमों के बीच प्रतिभाओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया।

समारोह में मुख्य अतिथि विभागाध्यक्ष सशस्त्र बल न्यायाधिकरण गोवर्धन बरधार और विशिष्ट अतिथि वित्त सचिव केके पाठक थे। समारोह में सुबोध शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष आरसी जैन ने छात्राओं को संदेश दिया कि विश्वास वह शक्ति है जिसके द्वारा असंभव भी संभव हो जाता है। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ. रेनू जोशी ने आगुंतक अतिथियों का स्वागत किया तथा छात्राओं को संदेश दिया कि हौसला, जुनून, धैर्य व परिश्रम वह अस्त्र हैं जो आपको सफलता दिला सकते हैं।

उन्होंने सत्र 2023-24 का वार्षिक प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि गोवर्धन बरधार ने छात्राओं को पूर्ण एकाग्रता एवं समर्पण के साथ लक्ष्य प्राप्ति की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

विशिष्ट अतिथि के के पाठक ने संदेश दिया कि नारी शक्ति स्वयं में परिपूर्ण, सशक्त एवं असीम क्षमता रखने वाली होती है। अतः नारी को अपनी क्षमता को पहचान कर अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयत्न रूपी पंखों को उड़ान देनी चाहिए। महाविद्यालय संयोजक वीसी डागा ने कहा कि सफलता अत्यधिक परिश्रम चाहती है अतः संकल्पबद्ध हो परिश्रमरत रहें। कार्यक्रम की अंतिम कड़ी में विविधता पूर्ण रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। लोक नृत्य, रेट्रो एवं पाश्चात्य नृत्य की प्रस्तुतियों से सभागार में उपस्थित सभी दर्शक मंत्र मुग्ध हो उठे।

प्रतिभाशाली छात्राएं बनीं 'सुबोध मनीषी'

समारोह में विभिन्न संकायों के परीक्षा परिणामो में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली व खेलकूद में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 120 छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा जारी की गई विभिन्न विषयों की मेरिट सूचियों में स्थान प्राप्त करने वाली महाविद्यालय की प्रतिभावान छात्राओं को 'सुबोध मनीषी' अवॉर्ड दिए गए एवं अन्य छात्राओं को भी उनकी विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया। इस अवसर पर संस्थान की वार्षिक पत्रिका 'सुबोधिनी' के छठे संस्करण का विमोचन भी किया गया।

साइबर क्राइम रोकने का संदेश दे रहे 'हनुमान'

बेधड़क | जयपुर

झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में चल रहे आईटी ट्रेड फेयर में दूसरे दिन भी आईटी एक्सपर्ट और स्टूडेंट्स का आने का सिलसिला जारी रहा। एक्सपो में विभिन्न स्पीकर्स ने आईटी को लेकर अपने-अपने विचार रखे। इस दौरान विभिन्न कंपनीज ने अपने प्रोडक्ट्स का प्रदर्शन किया। इन्हीं में से एक स्टॉल पर एक कंपनी 'कॉप कनेक्ट' के नाम के एप को प्रदर्शित कर रही है। इस एप के जरिए युवाओं को आम लोगों को साईबर क्राईम से बचने के बारे में जानकारी दी गई है।

एप के जरिए लोग खुद के साथ साईबर क्राईम की ठगी होने पर आसपास के साईबर एक्सपर्ट से फोन कॉल से फ्री मदद ले सकते हैं। एप के निदेशक आनंद नायडू ने बताया कि कंपनी और एप के जरिए तीन तरह की साईबर क्राईम के बारे में ट्रेनिंग और विभिन्न सुविधा उपलब्ध करवाती है। इसके अलावा स्कूल-कॉलेजों में कॉप कनेक्ट कैफे भी चलाया जा रहा है। यहां पर हनुमान रोबोट और हॉक भी आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। इनसे कोई भी साईबर क्राईम को लेकर सवाल-जवाब कर सकता है। एक्सपो में विभिन्न तरह के इंटरएक्टिव फ्लेट पेनल भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इसमें स्मार्ट क्लास से लेकर वीडियो और स्केच की सुविधाएं तक दी गई है। एक्सपो आयोजक तरुण टांक ने बताया कि रविवार को एक्सपो का समापन किया जाएगा।

इस दौरान आईटी क्षेत्र व राजस्थान को ऊंचाईयों पर ले जाने वाली हस्तियों को नवरत्न. भारत से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी और डीओआईटी कमिश्नर इंद्रजीत सिंह शामिल होंगे।

दस साल में इंडस्ट्री बन गई इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी: भारद्वाज

दस साल पहले तक आईटी एक ब्रांच थी, लेकिन आज आईटी एक इंडस्ट्री बन चुकी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी कोडिंग एवं सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट आदि अब इसके हिस्से हैं। आधारभूत ब्रांचेस में आईटी का उपयोग करना जरूरी हो गया है। आईटी एक्सपर्ट व नेशनल मोटिवेटर पीएम भारद्वाज ने एक्सपो में 'रोल ऑफ आईटी इन मेकिंग' सेशन में बतौर स्पीकर बोलते हुए कही। सेशन के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ में आईटी सलाहकार और स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड एम्बेसेडर डॉ. डीपी शर्मा ने सैकड़ों आईटी प्रोफेशनल्स एवं छात्रों को स्वच्छ भारत की शपथ दिलाई। राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष डॉ. केएल जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आईटी के बहुत बड़े समर्थक हैं जिनके कारण आज भारत डिजिटाइजेशन के मंच पर दुनिया का सिरमौर बन चुका है।

परिचर्चा | आईआईएस यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

एआई टेक्नोलॉजी मनुष्य की दोस्त है... दुश्मन नहीं

बेधड़क | जयपुर

आईआईएस यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड लैंग्वेज, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज की ओर से यूनिवर्सिटी कैंपस में आयोजित 'द ह्यूमैनिटीज टुडेः ग्लोबल एंड सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटीज' विषयक दो दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस के अंतिम दिन शनिवार को मानविकी में प्रौद्योगिकी की भूमिका, विभिन्न अंतःविषय चिंताओं और मानविकी और सामाजिक विज्ञान अध्ययन के लिए उभर रही नई दिशाओं से संबंधित रिसर्च वर्क प्रस्तुत किए गए।

आईसीएसएसआर के सहयोग से हुई इस कॉन्फ्रेंस में भारत और इंटरनेशनल यूनिवर्सिटीज से कई वक्ताओं और करीब 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कॉन्फ्रेंस में आईआईएस यूनिवर्सिटी की रजिस्ट्रार डॉ.राखी गुप्ता, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज की डीन डॉ. इला जोशी व डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश लिटरेचर एंड लैंग्वेज की हैड डॉ. रिमिका सिंघवी भी मौजूद रहीं।

बेनेट यूनिवर्सिटी, नोएडा के डॉ.ओम प्रकाश द्विवेदी ने ह्यूमैनिटीज के सामने आने वाली चुनौतियों पर रोशनी डाली। दुनिया में हावी होते एआई के मद्देनजर उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में मनुष्यों का दुश्मन एआई नहीं, बल्कि अन्य मनुष्य हैं। एआई तो मनुष्य के दोस्त के रूप में काम कर रही है। समापन सत्र में कई विषय विशेषज्ञों ने समकालीन समय में मानविकी पर विचार रखे।

प्रतिभागियों ने भी अनुभव साझा किए। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। अंत में कॉन्फ्रेंस की संयोजक डॉ. रिमिका सिंघवी ने आगन्तुकों का आभार जताया।

उच्च शिक्षा के भविष्य पर चर्चा

बॉथ विश्वविद्यालय की डॉ.सामंथा कर्ल ने समकालीन समय में उच्च शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम निर्देश की प्रासंगिकता और शिक्षार्थियों के बौद्धिक विकास और प्रभाव पर चर्चा की। एडिनबर्ग नेपियर विश्वविद्यालय के डॉ. एंड्रयू रैन ने राजनीति, वित्त और पर्यावरण के संदर्भ में उच्च शिक्षा के भविष्य पर विचार व्यक्त किए। राजस्थान विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर राजुल भार्गव ने सवाल किया कि क्या तकनीकी रूप से त्वरित समय में प्राप्त ज्ञान वास्तव में फायदेमंद है। राजस्थान विश्वविद्यालय की पूर्व प्रोफेसर सुधा राय और हरिदेव जोशी पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर प्रो. सुधी राजीव ने अंतःविषय दृष्टिकोण पर आधारित एकीकृत मॉडल बनाकर मानविकी के कायाकल्प का आह्वान किया।

पंकज ओझा
राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी

शाश्वत सनातन

भगवान शंकर का एक ऐसा मंदिर है, जहां पर दर्शन करने मात्र से ही भक्त की उम्र बढ़ जाती है। 300 साल पुराना यह मंदिर सिरोही जिले के पिंडवाड़ा में स्थित है। यहां पर भगवान शंकर ने मार्कण्डेय ऋषि की यमराज से रक्षा की थी। तब से यहां पर नरक चौदस पर यमराज की पूजा अर्चना के साथ ही उनका अभिषेक भी किया जाता है। यहां मां सरस्वती का मंदिर भी है, जहां पर हकलाने वाले और कमजोर दिमाग वाले बच्चे भी मान्यता मांगने पर ठीक हो जाते हैं। श्रावण मास में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं।

सिरोही जिले के पिंडवाड़ा में स्थित है भगवान शंकर का प्राचीन मंदिर

मारकंडेश्वर के दर्शन मात्र से ही बढ़ जाती है भक्त की आयु

सिरोही जिले के पिंडवाड़ा में मारकंडेश्वर महादेव का अति प्राचीन मंदिर है। यहां पर यमराज को भगवान शिव से शिकस्त खानी पड़ी थी। मान्यता है कि यहां दर्शन मात्र से भक्त की आयु बढ़ जाती है। वहीं, मां सरस्वती का भी मंदिर है, जहां पर ऐसे बच्चे जो बोलते नहीं हैं या देरी से बोलते हैं, वे जल्दी बोलने लग जाते हैं। यमराज जिन्हें मृत्यु का देवता माना जाता है, उनका नाम सुनते ही सभी इंसानों के मन में भय व्याप्त हो जाता है। लोग उनका नाम भी सुनना पसंद नहीं करते, लेकिन मारकंडेश्वर महादेव मंदिर की मान्यता के अनुसार इस मंदिर में यमराज की पूजा करने से वह अकाल से लोगों की रक्षा करते हैं। मंदिर में दीपावली के एक दिन पहले नरक चौदस पर यमराज की पूजा की जाती है और उनकी मूर्ति का अभिषेक किया जाता है। साथ ही यमराज से मन्नत मांगी जाती है, कि वह उन्हें अंतिम दौर में कष्ट न दें।

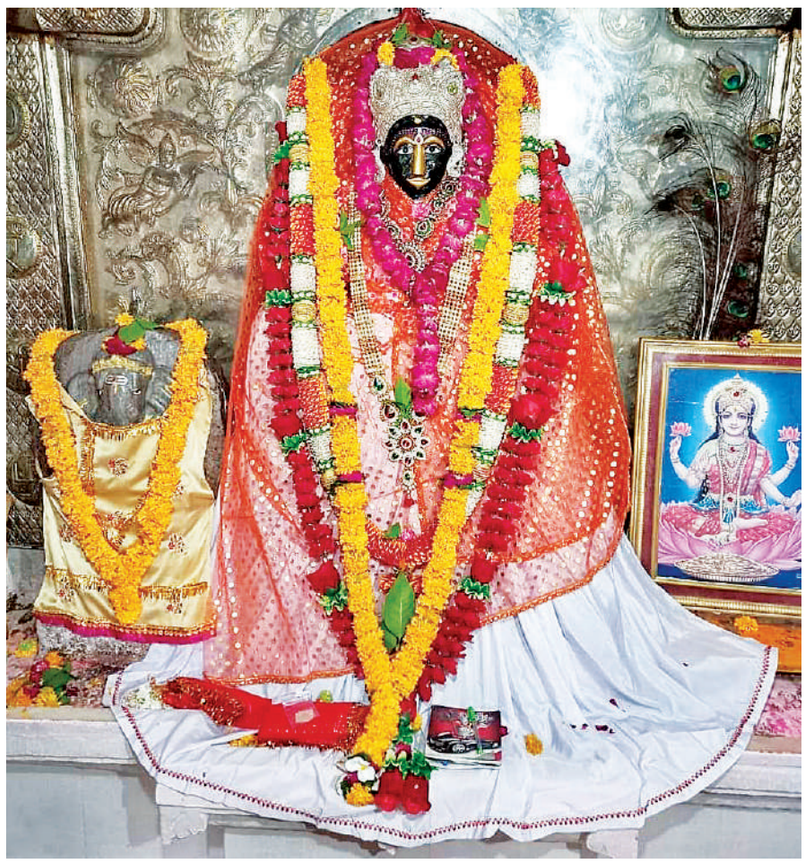

300 साल पुराना है मंदिर

सिंधिया वंश के राजाओं ने लगभग 300 साल पहले मंदिर का निर्माण करवाया गया था। श्रावण मास में यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मां वीणापाणी का यह तीर्थ अति प्राचीन है, और बहुत चमत्कारी है। यहां गुरु गोरखनाथ जी का भी धूना है। मां काली और भैरव नाथ जी का मंदिर भी है और आबू के महान तपस्वी महादेव नाथ जी की तपस्या स्थली भी है।

गर्भगृह में स्थापित हैं तीन मूर्तियां

फूल बाग के समीप स्थित मारकंडेश्वर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित तीन मूर्तियों में से मुख्य भगवान शंकर बीच में विराजमान हैं, जबकि उनके ठीक सामने यमराज की मूर्ति है। शिवजी के पास ही मार्कंडेय शिवलिंग है।

भगवान शिव ने मारकंडेश्वर ऋषि को यहां पर बचाया था यमराज से

पुरातन कथाओं में शिव पुराण, पदम् पुराण आदि में बताया गया है कि शिव के भक्त मुकुंड ऋषि के कोई संतान नहीं थी। ऋषि ने भगवान शिव की तपस्या कर वरदान में एक पुत्र मांग लिया। शिवजी ने उनसे कहा कि आपके भाग्य में संतान सुख नहीं है। आप कुछ और मांग लीजिये, लेकिन मुकुण्ड ऋषि की जिद के सामने भगवान् झुक गए और उन्हें एक पुत्र का वरदान दे दिया। इस पुत्र की आयु बारह वर्ष ही निर्धारित की। इसके बाद भगवान शिव के आशीर्वाद से मुकुण्ड ऋषि के घर एक पुत्र का जन्म हुआ। मुकुण्ड ऋषि ने बच्चे का नाम मार्कण्डेय रखा। बचपन से ही तेजस्वी मार्कण्डेय को मुकुण्ड ऋषि ने सभी प्रकार की शिक्षा दी। समय बीतने के साथ बालक की अल्प आयु की चिन्ता मुकण्ड ऋषि को सताने लगी। दोनों दम्पत्ति दुःखी रहने लगे। मारकण्डेय जी को माता-पिता का दुःख न देखा गया। वे कारण जानने के लिए हठ करने लगे। बाल हठ के आगे विवश होकर मुकुण्ड ऋषि ने सारा वृतान्त कह बताया। मारकण्डेय समझ गए कि ब्रह्मा की लेखनी को मिटा कर जब भगवान शंकर के आशीर्वाद से मैं पैदा हुआ हूं तो इस संकट में भी उनकी ही शरण लेनी चाहिए। मारकण्डेय गंगा-गोमती के संगम पर बैठ कर घनघोर तपस्या में लीन हो गए। शिव पार्थिव वाचन पूजा करते हुए उम्र के बारह साल बीतने को आए। एक दिन यमराज ने बालक मारकण्डेय को लेने के लिए अपने दूत को भेजा। भगवान शंकर की तपस्या में लीन बालक को देख यमराज के दूत का साहस टूट गया। उसने जाकर यमराज को सारा हाल बताया। तब जाकर यमराज स्वयं बालक को लेने भैंसे पर सवार होकर आए। उस वक्त बालक मारकण्डेय शंकर की तपस्या में लीन थे तथा शंकर व पार्वती स्वयं उसकी रक्षा में वहां मौजूद थे। बालक मारकण्डेय का ध्यान तोड़ने के लिए यमराज दूर से भय दिखा प्रहार करने लगे। तब मारकण्डेय जी घबरा गए और उनके हाथ से शिवलिंग जमीन पर जा गिरा। शिव पार्थिव गिरते ही मृत्यु लोक से अनादि तक शिवलिंग का स्वरूप हो गया। यमराज का त्रास देखकर भगवान शंकर भक्त की रक्षा करने के लिए प्रकट हो गए और मारकण्डेय को यमराज से बचाया। इस घटना के बाद से मारकंडेश्वर महादेव की पूजा की जाने लगी।

कविता

ढलता सूरज

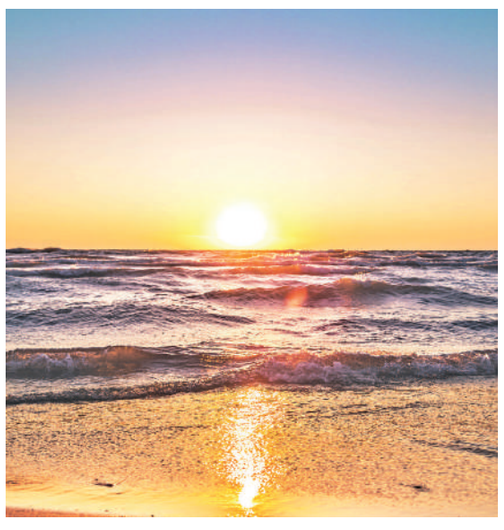

गुलाब कुमावत खीमेल
शिक्षक सांचौर

ढलते सूरज को देखकर
मैं मुरझाया
इसलिए नहीं कि
सूरज ढल रहा था।
इसलिए कि
सूरज की भी नियती देखो
उगता भी है
अस्त भी होता है।
इसी से मैं मुरझाया
देख मुझे सूरज मुस्कराया
उगना व अस्त होना
मेरी नियती है।
नियती पर चलना मेरा धर्म है।
चिंता मत कर पगले
मैं भोर की पहली
किरण के साथ
फिर आउंगा
एक नया सवेरा लेकर
काली रात होगी तभी तो
समझेंगे उजाले का मोल
मत मुरझाना
मैं फिर आउंगा..
नई किरण लेकर।

शब्दों की सीख

मां की निशानी

महेश कुमार केशरी
बोकारो, झारखंड

मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। उस पर जगह-जगह जलने के निशान भी मौजूद थे, जो शायद चूल्हे पर खाना बनाते समय बन गए थे। रद्दी में कोई पांच रुपए भी ना देता उस साड़ी के। 'पांच सौ रुपए लगेंगे, बेटा। इस फटी हुई साड़ी के।' मंगतलाल ने मजाक में कहा। तन्मय ने बटुए से पांच सौ का नोट निकालकर बेहिचक मंगत लाल के हाथ पर रख दिया। फिर बोला- 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे। आपने पांच हजार भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।'

तन्मय बदहवास सा भागता हुआ मंगत लाल की दुकान पर पहुंचा था। सांसों को किसी तरह व्यवस्थित करता हुआ बोला - 'मेरे घर से अभी-अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आये थे ना, चाचा। उसमें एक साड़ी थी। बहुत पुरानी। तुमने देखी थी, वो साड़ी? जूली ने लापरवाही में बिना देखे ही रद्दी तुम्हें बेच दी थी चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं होता तो बगैर जांचे तुम्हें रद्दी नहीं बेचता। मैं तो बाजार चला गया था, सामान लाने।'

तन्मय जैसे सफाई देता हुआ बोला। मंगत राम किसी की आई हुई पुरानी रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला- 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का पाढ़ था। आपने देखी थी क्या?'

मंगत लाल कुछ नहीं बोला।

'वो रद्दी कहां रखी है आपने?'

मंगत लाल बोला- 'वो, देखो कोने में रखी हुई है। सफेद वाले बोरे में।'

तन्मय ने तेजी से बोरा खोला और रद्दी खंगालने लगा। बोरे में बहुत नीचे वो ब्लू पाढ़ वाली सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का कोई ठिकाना ना रहा।

'मंगत चाचा, मिल गई।'

मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। उस पर जगह-जगह जलने के निशान भी मौजूद थे, जो शायद चूल्हे पर खाना बनाते समय बन गए थे। रद्दी में कोई पांच रुपए भी ना देता उस साड़ी के।

'पांच सौ रुपए लगेंगे, बेटा। इस फटी हुई साड़ी के।' मंगतलाल ने मजाक में कहा।

तन्मय ने बटुए से पांच सौ का नोट निकालकर बेहिचक मंगत लाल के हाथ पर रख दिया। फिर बोला- 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे। आपने पांच हजार भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।'

वो साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगत लाल ने टोका- 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। ये पांच सौ रुपए वापस लेते जाओ। बड़ी अजीब बात है। कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए दे देगा। मालूम ना था।' 'आपके लिए यह मामूली होगी, मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।'

पुस्तक समीक्षा

'साहब का बसंत' तीखा प्रहार करने वाला व्यंग्य संग्रह

बलजीत सिंह

सितारों की टिमटिमाहट के सामने अक्सर जुगनू की टिमटिमाहटए हमें कुछ ज्यादा ही आकर्षित करती है, जबकि सितारे बहुत बड़ी चीज है और जुगनू एक छोटा सा जीव। सचमुच साहित्य की व्यंग्य विधा भी जुगनू की तरह है, जिसकी एक छोटी सी पंक्ति पाठक के हृदय में अपनी जगह बना लेती है और वह सोचने पर मजबूर हो जाता है...आखिर लेखक ने ऐसा क्या देखा और ऐसा क्यों लिखा? कलम के माध्यम से सामाजिक बुराइयों पर वार करना हर किसी के वश की बात नहीं होती। ऐसा केवल एक व्यंग्यकार ही कर सकता है। हकीकत में अगर देखा जाए तो आजकल इस विधा में काम करने वाले बहुत कम साहित्यकार हैं। इतने कम...समझो ऊंट के मुंह में जीरा। इसमें कोई शक नहीं है कि गोविंद सेन एक उच्च कोटि के व्यंग्यकार हैं। इन्होंने अपनी पुस्तक 'साहब का बसंत' व्यंग्य संग्रह में असामाजिक तत्वों, भ्रष्ट नेताओं, जी हजूरी करने वाले कर्मचारियों, रिश्वतखोर अधिकारियों, गैर जिम्मेदार अध्यापकों, चुगलखोर पड़ोसियों, मुफ्त का माल हड़पने वालों और मिलावट का धंधा करने वालों पर अपनी कलम से तीखा प्रहार किया है। इनकी अब तक एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिनमें दो गजल संग्रह, तीन कहानी संग्रह, दो निमाड़ी हाइकु संग्रह, दो व्यंग्य संग्रह, दो दोहा संग्रह शामिल हैं। 'साहब का बसंत' इनका दूसरा व्यंग्य संग्रह है। इस पुस्तक में कुल 53 लेख हैं। ये व्यंग्य अपने समय की आसपास की विडम्बनाओं को सहजता से पकड़ते हैं। सच पूछो तो गोविंद सेन के व्यंग्य संग्रह 'साहब का बसंत' में समकालीन विसंगतियों का बखूबी पर्दाफाश करते हैं। पुस्तक में सरल एवं सहज भाषा का प्रयोग किया है। भाषा शैली रोचक और प्रभावशाली है। 'आओ सड़क खाएं' जैसे व्यंग्य को बार-बार पढ़ने का मन करता है।

लेखक- गोविंद सेन
प्रकाशक- न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन ए दिल्ली
पृष्ठ- 128
मूल्य- 225 रुपए

सीएम नीतीश कुमार का दावा: विपक्षी गठबंधन का 'इंडिया' नाम रखने के पक्ष में नहीं थे वह, कहा...

विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की, लेकिन फायदा नहीं हुआ

एजेंसी | पटना

जद यू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को विपक्षी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि हमने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश की लेकिन, कोई फायदा नहीं हुआ। अब हम उनसे अलग हो गए हैं।

नीतीश ने यह भी कहा कि विपक्षी गठबंधन के इंडिया नाम के पक्ष में नहीं थे। वो कोई दूसरा नाम देना चाहते थे, लेकिन वो लोग नाराज हो रहे थे। नीतीश ने भारत रत्न और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि पर शनिवार को उनको श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान यह बात कही। नीतीश ने कहा, हमने तो बहुत कोशिश की थी।

जब अलग हट गए, तो सारी बात आप लोगों को बता दी थी। हमारा काम तो बिहार के लिए काम करना है, और करते रहेंगे। नीतीश कुमार ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को उस बयान पर करारा जवाब दिया है जिसमें उन्होंने कहा था कि नीतीश के लिए हमारे दरवाजे खुले हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि जहां आ गए हैं वहीं रहेंगे। लालू से मुलाकात और अभिवादन पर उन्होंने कहा कि जब कोई मिलता है तो ऐसा होता ही रहता है। नीतीश ने लालू यादव और तेजस्वी की पेशकश को सीधे-सीधे ठुकरा दिया।

राहुल जो बोलना है, बोलते रहें

औरंगाबाद और रोहतास में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयानों के सवाल पर सीएम नीतीश कुमार ने कह कि उन्हें जो बोलना है, वो बोलते रहें, उससे मुझे कोई मतलब नहीं है। नीतीश ने तंज कसते हुए कहा कि वह मीडिया में बने रहने के लिए कुछ भी बोल देते हैं। हमने बिहार में जाति आधारित गणना करवाई, वह इसकी चर्चा नहीं करते हैं। हमारे कामों के बारे में कुछ नहीं बोलते हैं।

राजग की बड़ी जीत का दावा

नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव में राजग की बड़ी जीत का दावा किया। उन्होंने कहा कि इसबार हम लोग बेहतर प्रदर्शन करेंगे और पिछली बार से अधिक संख्या में लोकसभा की सीट जीतेंगे। दरअसल, लोकसभा में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि इसबार लोकसभा चुनाव में राजग की सीटों की संख्या 400 से अधिक होगी।

जदयू ने किया एक देश एक चुनाव का समर्थन

नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने का समर्थन किया है, लेकिन स्थानीय निकाय चुनावों के साथ नहीं। पार्टी ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' पर गठित एक उच्च स्तरीय समिति से कहा है कि वह लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव एक साथ कराने का समर्थन करती है। जेडीयू ने कहा है कि सभी स्थानीय निकाय- नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव एक साथ होने चाहिए। पार्टी ने हालांकि कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के साथ नहीं होने चाहिए।

सिंधिया: निर्वाचन के खिलाफ याचिका खारिज

ग्वालियर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से बड़ी राहत मिली है। हाई कोर्ट ने पूर्व नेता प्रतिपक्ष और वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. गोविंद सिंह ने दायर की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें गलत जानकारी देने के आरोप लगाते हुए सिंधिया के निर्वाचन को चुनौती दी गई थी। सिंधिया 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में गुना-शिवपुरी सीट से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भाजपा से चुनाव हार गए थे। इसके बाद उन्होंने कमलनाथ की सरकार को गिराकर भाजपा की सदस्यता ले ली और भाजपा की सरकार बनवा दी। बदले में भाजपा ने उन्हें राज्यसभा का सदस्य बनाया।

म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने का किया विरोध

आइजोल। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने शनिवार को इस बात को दोहराया कि उनकी सरकार भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाने और मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एमएमआर) को खत्म करने के खिलाफ है। उन्होंने एनजीओ समन्वय समिति (एनजीओसीसी) के नेताओं के साथ बातचीत के दौरान कहा कि अंग्रेजों ने मिजो लोगों को अलग करने के लिए एफएमआर नीति को अपनाया था और सीमा पर पाबंदी लगा दी थी। उन्होंने कहा कि भारत और म्यांमार में रहने वाले मिजो अभी भी एक प्रशासनिक इकाई के तहत एकीकरण का सपना देखते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार चाहती है कि म्यांमार के साथ मुक्त आवाजाही व्यवस्था जारी रहे। लालदुहोमा ने कहा कि उन्होंने जनवरी और फरवरी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से दो बार मुलाकात की।

मध्य प्रदेश की सियासत गरमाई: बड़े पाला बदल के कयास

कमलनाथ बेटे नकुल के साथ थाम सकते हैं भाजपा का दामन

एजेंसी | नई दिल्ली/भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच राज्य का सियासी पारा गरमा गया है। कमलनाथ ने शनिवार को अपना छिंदवाड़ा दौरा रद्द कर दिल्ली चले गए। उनके साथ उनके सांसद बेटे नकुलनाथ भी दिल्ली पहुंचे हैं।

कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलें ऐसे समय शुरू हुई जब शनिवार से ही दिल्ली में भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन शुरू हुआ। सूत्रों का कहना है कि दिल्ली में चल रहे भाजपा अधिवेशन के बाद उन्हें पार्टी में शामिल किया जा सकता है। कमलनाथ-नकुलनाथ 19 फरवरी को भाजपा का दामन थाम सकते हैं। इसी दिन कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी यूपी के अमेठी के दौरे पर होंगे। भाजपा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर कमलनाथ ने कहा कि जब ऐसी कोई बात होगी तो मीडिया को जरूर बताऊंगा।

सूत्रों के अनुसार कमलनाथ मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद से ही नाराज चल रहे थे। उनकी जगह जीतू पटवारी को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बनाया गया। सूत्रों के अनुसार राज्य विधानसभा के चुनाव में वह पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा थे। पार्टी इस चुनाव में जीत का दावा कर रही थी। लेकिन उसक करारी हार हुई और इसका ठीकरा भी कमलनाथ के सिर फूटा। सूत्रों के अनुसार पद से हटाए जाने के बाद कमलनाथ केंद्र की राजनीति में जगह चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके बाद राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवारी भी नहीं मिलने और दिग्विजय सिंह से अनबन के चलते अब उनके भाजपा में जाने की अटकलें लग रही हैं।

पिता-पुत्र ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट से हटाया कांग्रेस का नाम

इस बीच, कमलनाथ और उनके सांसद बेटे नकुलनाथ ने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स, फेसबुक आदि से कांग्रेस का नाम भी हटा दिया है। कमलनाथ के सोशल अकाउंट पर पूर्व मुख्यमंत्री और नकुलनाथ के सोशल अकाउंट पर सांसद छिंदवाड़ा ही लिखा हुआ दिख रहा है।

कमलनाथ को मनाने में जुटी कांग्रेस

सूत्रों के मुताबिक, कमलनाथ ने अब तक कांग्रेस से इस्तीफे की पेशकश पार्टी आलाकमान से नहीं की है। कांग्रेस की ओर से कमलनाथ से संपर्क साधने की कोशिश की गई और बातचीत भी हुई है। कांग्रेस की ओर से कमलनाथ को मनाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों का दावा है कि अब तक कमलनाथ की तरफ से पार्टी छोड़ने का कोई संकेत या संदेश नहीं है। कमलनाथ पांच दशक पुराने कांग्रेसी नेता हैं।

संकट में नेहरू-गांधी परिवार के साथ रहे वह कैसे पार्टी छोड़ सकते हैं: दिग्विजय

कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने जबलपुर में संवाददाताओं से कहा, मैंने शुक्रवार रात साढ़े 10 बजे कमलनाथ से बात की, वह छिंदवाड़ा में थे। सिंह ने कहा, एक व्यक्ति जिसने अपनी राजनीतिक यात्रा कांग्रेस से शुरू की और जब इंदिरा गांधी को जनता पार्टी द्वारा जेल भेजा गया तो वह नेहरू-गांधी परिवार के साथ खड़ा था, क्या आपको लगता है कि ऐसा व्यक्ति कभी कांग्रेस और गांधी परिवार को छोड़ेगा? ज्ञात रहे कि संजय गांधी की दोस्ती कमलनाथ की राजनीति पारी के आगाज का जरिया बनी। वह दून स्कूल में संजय गांधी के सहपाठी रहे हैं। कमलनाथ 1968 में कांग्रेस में शामिल हुए।

2018 में कांग्रेस सत्ता में आई तो बने CM

कमलनाथ 2001 से 2004 तक कांग्रेस के महासचिव के पद पर भी रहे। साल 2018 में मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सत्तासीन भाजपा को हराकर कांग्रेस सत्ता में आई। इसके बाद कमलनाथ मुख्यमंत्री बनाए गए। अप्रैल 2019 के उप-चुनाव में जीत के बाद वह पहली बार विधायक बने। कमलनाथ 17 दिसंबर 2018 से 20 मार्च 2020 तक मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। ज्योतिरादित्य सिंधिया समर्थक विधायकों की बगावत के बाद महज 15 महीनों में ही कमलनाथ वाली कांग्रेस सरकार गिर गई।

विश्वास मत साबित... केजरीवाल ने कहा-

BJP के लिए सबसे बड़ी चुनौती है आप, 2029 में बाहर कर देंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली की आम आदमी पार्टी की अरविंद केजरीवाल सरकार ने शनिवार को एक बार फिर विधानसभा में बहुमत साबित कर दिया है। विश्वास प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित किया गया।

विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सीएम केजरीवाल ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा और कहा कि भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती आम आदमी पार्टी है, इसीलिए हर तरफ से उस पर हमला किया जा रहा है। 2024 में भाजपा लोकसभा चुनाव जीत जाती है तो आप 2029 में देश को भाजपा से आजाद कराएगी।

केजरीवाल ने कहा कि सदन में हमारे पास बहुमत है, लेकिन इस विश्वास प्रस्ताव की जरूरत थी क्योंकि भाजपा 'आप' विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही थी। विश्वास प्रस्ताव पारित होने के बाद कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन का समय दोपहर 2 बजे से रहेगा। अरविंद केजरीवाल ने विधानसभा में संबोधन भी दिया।

भाजपा की ओर से सिर्फ एक विधायक

विश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान 'आप' सरकार के पक्ष में 54 वोट पड़े, जबकि विपक्ष में महज एक वोट पड़ा।, 70 सदस्यीय विधानसभा में 'आप' के 62 विधायक और भाजपा के महज 8 विधायक हैं। भाजपा के आठ में से सात विधायक की कार्यवाही से सस्पेंड होने के चलते बाहर रहे। सिर्फ नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने ही वोटिंग की।

हमारा एक भी विधायक नहीं टूटा

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भाजपा वाले सिर्फ सत्ता के लिए आए हैं। यह सत्ता के षडयंत्र से हमें कुचलने की कोशिश करेंगे, लेकिन हम लोगों के आशीर्वाद से फिर खड़े हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि विश्वास प्रस्ताव को लाने का मकसद ये था कि हमारे विधायकों को तोड़ने की कोशिश हुई थी। हमारा एक भी विधायक नहीं टूटा है। दो बीमार हैं, तीन बाहर हैं और दो विधायक (मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन) जेल में हैं और एक के यहां शादी है।

राहुल के काफिले के जाने के बाद चौराहे को गंगा जल से धोया

वाराणसी में रोड शो, विश्वनाथ के किए दर्शन

एजेंसी | वाराणसी/नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शनिवार को 35 वें दिन वाराणसी पहुंची। राहुल गांधी ने यहां 5 घंटे में 12 किलोमीटर तक रोड शो किया। खुली जीप में बैठे राहुल लोगों से भी मिलते रहे। राहुल ने काशी में रोड शो के साथ ही विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन किया।

उन्होंने गोदौलिया में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा, हमने 4,000 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा की। यात्रा के दौरान किसान, मजदूर, छोटे व्यापारी और महिलाएं मिलीं। उन सबने मुझसे मिलकर अपनी पीड़ा बताई। भाजपा-आरएसएस के लोग भी कई जगह मिले, लेकिन पूरी यात्रा में मुझे नफरत कहीं नहीं दिखी। भारत मोहब्बत का देश है, नफरत का नहीं। देश तभी मजबूत होता है, जब सभी एकजुट होकर काम करते हैं। उन्होंने जनसभा में जीएसटी और महंगाई को लेकर केंद्र पर निशाना साधा। उनके साथ वरिष्ठ नेता जयराम रमेश, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत कई नेता मौजूद रहे।

अचानक वायनाड गए, आज यात्रा प्रयागराज से

कांग्रेस पार्टी के नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल गांधी के वायनाड जाने की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी वापस इस यात्रा को उत्तर प्रदेश में ही प्रयागराज जिले से शुरू करेंगे। 18 फरवरी को प्रयागराज से दोपहर 3 बजे से भारत जोड़ो न्याय यात्रा फिर शुरू होगी।

50 फीसदी केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा होगी

आयोग लोस चुनाव कराने को तैयार

■ ओडिशा में होने हैं विधानसभा चुनाव, लोस चुनाव के साथ कराने की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि चुनाव आयोग 2024 के संसदीय चुनाव और राज्य (ओडिशा) चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है और सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि 50 फीसद मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग की सुविधा होगी। 37,809 मतदान केंद्रों में से 22,685 पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी। दिव्यांग, युवा और महिलाओं पर मुख्य फोकस रखा जाएगा। इसके लिए 300 मतदान केंद्र होंगे, जिनका प्रबंधन दिव्यांगों द्वारा ही किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार उम्मीद की जा रही है कि चुनाव आयोग जल्द ही लोकसभा चुनाव 2024 की तारीख की भी घोषणा कर देगा। ओडिशा में इस साल विधानसभा चुनाव होना है, इसलिए लोकसभा चुनाव के साथ ही ओडिशा चुनाव की घोषणा भी हो सकती है। माना जा रहा है कि इस साल अप्रैल और मई के महीने में लोकसभा चुनाव कराया जा सकता है। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल 16 जून 2024 को समाप्त होगा। ज्ञात रहे कि चुनाव आयोग ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्रालय को गत दिनों पत्र लिखकर अर्धसैन्य बलो की मांग की है।

महाराष्ट्र की सियासत गरमाई

बारामती से कौन- सुप्रिया सुले या सुनेत्रा पवार!... सियासी घमासान शुरू

एजेंसी | मुंबई

लोकसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की सियासत राकांपा के दोनों धड़ों के नेता शरद पवार व अजित पवार के बयानों से गरमाई हुई है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार के राज्य के बारामती संसदीय क्षेत्र से अपनी पार्टी का उम्मीदवार लोकसभा चुनाव में मैदान में उतारने के संकेत के बाद राज्य का राजनीतिक पारा चढ़ गया है।

बरामती से वर्तमान में राकांपा के संस्थापक रहे शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले सांसद हैं और अब संकेत हैं कि अजित पवार अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को वहां से चुनाव मैदान में उतार सकते हैं। दरअसल, अजित पवार ने बिना किसी का नाम लिए कहा था कि वह सिर्फ भाषण देती हैं और अवॉर्ड जीतती हैं, लेकिन क्षेत्र की समस्याओं का समाधान नहीं करती हैं। उन्होंने कहा था कि हम ऐसे लोगों को संसद में नहीं भेज सकते जो समस्याओं का समाधान नहीं करते।अजित पवार के इस बयान के बाद शनिवार को शरद पवार और सुप्रिया सुले ने इस पर कटाक्ष किया।

शरद पवार ने अपने गृह नगर बारामती में शनिवार को मीडिया से बातीचीत में कहा कि 'लोकतंत्र में हर किसी को चुनाव लड़ने का हक है और अगर कोई अपने हक का इस्तेमाल कर रहा है तो इसमें किसी को शिकायत नहीं होनी चाहिए। हमें लोगों के सामने अपनी स्थिति रखनी चाहिए और लोग जानते भी हैं कि हमने बीते 55-60 वर्षों में क्या किया है।

वहीं, शरद पवार नीत राकांपा की नेता सुप्रिया सुले ने कहा, यह एक लोकतंत्र है। यहां हर किसी को चुनाव लड़ने का अधिकार है और इसलिए यह कहना उचित है।

लेकिन, यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक है कि लोकतंत्र का मंदिर संसद है और कल जिस तरह से संसदीय प्रक्रियाओं का मजाक उड़ाया गया, वह हम जैसे प्रतिबद्ध और समर्पित लोगों के लिए बहुत दर्दनाक था। मैं हैरान और निराश हूं कि अजित पवार जैसे वरिष्ठ नेता ने ऐसा कुछ कहा है।

चुनाव आयोग व विधानसभा अध्यक्ष का फैसला अन्यायपूर्ण: शरद पवार

शरद पवार ने कहा कि चुनाव आयोग और महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष का एनसीपी मामले पर दिया गया फैसला पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्पीकर अपने पद की शुचिता को बरकरार रखने में असफल रहे। पवार ने कहा, जिन्होंने पार्टी का गठन किया, उन्हें ही बाहर कर दिया गया है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। यह न्याय व्यवस्था के भी हिसाब से गलत फैसला था। पूरा देश जानता है कि पार्टी किसने बनाई। पूर्व सीएम अशोक चव्हाण के भाजपा में जाने के सवाल पर शरद पवार ने कहा कि इन दिनों, कई केंद्रीय एजेंसियों का दबाव है जैसे एसीबी और ईडी। ये साफ दिख रहा है कि इनका इस्तेमाल विपक्ष के खिलाफ हो रहा है।

कई दशकों से पवार का गढ़ रहा है बारामती

बारामती लोकसभा क्षेत्र पारंपरिक रूप से शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले का गढ़ रहा है। शरद पवार ने 1967, 1972, 1978, 1980, 1985 और 1990 में बारामती सीट से महाराष्ट्र विधानसभा के लिए विजयी हुए थे और 1984, 1996, 1998, 1999 और 2004 में बारामती से लोकसभा चुनाव जीते थे। इसके अलावा, 2009 में माढा से और महाराष्ट्र से राज्यसभा चुनाव भी जीते थे। पिछले तीन बार से बारामती लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व सुप्रिया सुले कर रही हैं।

जरूरी खबर

दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों की गुणवत्ता सुनिश्चत हो

नई दिल्ली। केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने शनिवार को दिशानिर्देश जारी कर कहा कि दवाओं व सौंदर्य प्रसाधन सामग्री की गुणवत्ता और उनके असर की निगरानी के लिए एक समान नमूना प्रणाली अपनाई जाए। अभी ज्यादातर दवाएं बड़े ब्रांड से ली जा रही हैं और उनका कवर केवल शहरी और उपनगरीय इलाकों तक ही है। दवाओं, सौंदर्य प्रसाधनों और चिकित्सा उपकरणों के नमूने लेने के लिए पिछले हफ्ते नए दिशानिर्देश अधिसूचित किए गए थे। इनमें कहा गया कि अंदरूनी इलाकों या ग्रामीण क्षेत्रों को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

यूनान के पीएम की भारत यात्रा 21 फरवरी से

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर यूनान के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस 21 व 22 फरवरी तक भारत की राजकीय यात्रा पर आएंगे। उनसे साथ वरिष्ठ अधिकारी और एक उच्चाधिकार प्राप्त व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा। पीएम मित्सोटाकिस दिल्ली में नौवें रायसीना डायलॉग में मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता होंगे। वह मुंबई का दौरा भी करेंगे। 15 साल के अंतराल के बाद यूनान के किसी प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा होगी।

झारखंड: नाराज विधायक खरगे से मिलने दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। झारखंड में मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद नई चंपई सोरेन सरकार मुश्किल में फंस गई है। दरअसल, मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद मंत्री पद न मिलने से पार्टी के सत्रह में से 12 विधायक नाराज बताए जा रहे हैं। इन विधायकों ने शनिवार को नई दिल्ली पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। कांग्रेस विधेयक राजेश कच्छप ने कहा, हम पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिल रहे हैं और उनके सामने अपने विचार रख रहे हैं। हम इस पर भी चर्चा करेंगे कि हम 2024 के चुनाव में जीत कैसे हासिल करेंगे और हम कैसे भाजपा को हरा सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर भी नई दिल्ली पहुंचे हैं।

बिजनेस मीट में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में फेडरल बैंक की 2024 वार्षिक सरकारी और संस्थागत बिजनेस मीट लक्ष्य का उद्घाटन किया और लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र आज कर्ज के चंगुल से बाहर है और सर्वकालिक उच्च प्रदर्शन पर है। बैठक के दौरान अधिकारियों के साथ ठाकुर।

SP-DSP समेत 19 पर अपहरण का मामला दर्ज

अहमदाबाद। गुजरात के कच्छ जिले में एक फर्म के एक कर्मचारी के अपहरण और उनसे जबरन नसूली के मामले में दो पुलिस अधीक्षक (एसपी) और तीन अन्य वरिष्ठ पुलिसकरमियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गुजरात हाई कोर्ट के आदेश पर रोक हटाने के लगभग एक महीने बाद अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने दो एसपी, तीन डीएसपी, एक सब-इंस्पेक्टर और इलेक्ट्रोथर्म लिमिटेड के मालिक पर एफआईआर दर्ज की है। सीआईडी की तरफ से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि कच्छ जिले के गांधीधाम के निवासी परमानंद सीरवानी ने कंपनी के दो मालिकों और 11 अन्य लोगों के खिलाफ अपहरण और जबरन वसूली की शिकायत दर्ज करवाई थी। एफआईआर में कच्छ के पूर्व एसपी जीवी बारोट और भावना पटेल और डीएसपी आरडी देसाई, डीएस वाघेला और वीजे गढ़वी और सब-इंस्पेक्टर एनके चौहान का नाम शामिल है। शिकायतकर्ता 2011 में इलेक्ट्रोथर्म लिमिटेड में काम करता था।

किसान आंदोलन: पंजाब में धरना...हरियाणा में ट्रैक्टर मार्च

केंद्र का एमएसपी पर समिति के गठन का प्रस्ताव संभव

एजेंसी | नई दिल्ली/चंडीगढ़

न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी समेत विभिन्न मांगों को लेकर किसानों का आंदोलन शनिवार को पांचवे दिन भी जारी रहा। किसान 'दिल्ली चलो' मार्च के तहत पंजाब-हरियाणा सीमा के शंभू बॉर्डर और खनौरी बॉर्डर पर डटे रहे। वहीं, भारतीय किसान यूनियन (चढ़नी) ने शनिवार को हरियाणा में ट्रैक्टर मार्च निकाला जबकि भारतीय किसान यूनियन (एकता उगराहां) ने पंजाब में भाजपा के तीन वरिष्ठ नेताओं के आवासों के बाहर धरना दिया।

इस बीच, खबर है कि केंद्र सरकार एमएसपी को लेकर समिति के गठन का प्रस्ताव रख सकती है, जिसमें सरकारी अधिकारियों और किसान संगठनों के प्रतिनिधि

शामिल होंगे। वहीं, किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने शनिवार को पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर कहा कि केंद्र को एमएसपी की कानूनी गारंटी देने के लिए अध्यादेश लाना चाहिए। ज्ञात रहे कि प्रदर्शन कर रहे किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित अपनी विभिन्न मांगों को स्वीकार करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डाल रहे हैं।

एमएसपी पर अध्यादेश लाए सरकार: पंढेर

एजेंसी | चंडीगढ़

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने शनिवार को पंजाब-हरियाणा शंभू सीमा पर कहा कि केंद्र को एमएसपी को कानूनी गारंटी देने पर अध्यादेश लाना चाहिए। पंढेर ने कहा कि सरकार ने 23 फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा की, लेकिन केवल 2-3 फसलें खरीदीं। हम पहले कदम के रूप में कॉरपोरेट्स द्वारा फसलों की खरीद में लूट को खत्म करना चाहते हैं। सरकार चाहे तो इस पूरे मुद्दे को सुलझाया जा सकता है।

किसानों पर जुर्म, जैसे वे कोई आतंकवादी हों

शिरोमणि अकाली दल से लोकसभा सांसद हरसिमरत कौर बादल ने शनिवार को कहा है कि केंद्र किसानों पर ऐसे अत्याचार कर रहा है जैसे वे पाकिस्तान या चीन से संबंधित कोई आतंकवादी हों। बकौल हरसिमरत, केंद्र ने शंभू बार्डर पर जंग जैसे हालात बना दिए हैं।

जांच में मिले कैंसर के खतरे वाले रसायन

कॉटन कैंडी: तमिलनाडु सरकार ने लगाया बैन

एजेंसी | चेन्नई

तमिलनाडु सरकार ने कॉटन कैंडी की बिक्री पर रोक लगा दी है। राज्य सरकार ने कैंसर पैदा करने वाले रसायनों की उपस्थिति का खुलासा करने वाली परीक्षण रिपोर्टों की पुष्टि के बाद राज्य में कॉटन कैंडी की बिक्री पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री एम सुब्रमण्यम ने सभी खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को आवश्यक उपाय करने और कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। ज्ञात हो कि कॉटन कैंडी कई लोगों की पसंदीदा मिठाई रही है। खासतौर से बच्चे इसे बड़े मन से खाते हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बताया गया कि कॉटन कैंडी में रोडामाइन-बी मिला है। इसे ध्यान में रखते हुए कॉटन कैंडी को उपभोग के लिए असुरक्षित माना गया है। अतः मंत्रालय ने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम (2006) के तहत कॉटन कैंडी की बिक्री पर रोक लगा दी। मंत्रालय की ओर से कहा गया, अधिनियम के अनुसार विवाह समारोहों और सार्वजनिक समारोहों में रोडामाइन-बी वाले खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग, आयात, बिक्री और परोसना दंडनीय अपराध है। सुब्रमण्यम ने कहा कि अधिकारियों को जांच करने और प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

खतरनाक है रसायन: रोडामाइन बी पानी में घुलनशील रासायनिक यौगिक है, जो डाई के रूप में कार्य करता है। अपने चमकीले गुलाबी रंग के लिए जाना जाने वाला यह रसायन मनुष्यों के लिए विषैला होता है। शरीर में प्रवेश करने पर कोशिकाओं और ऊतकों पर ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकता है।

असम में पुलिस की कार्रवाई

अमृतपाल के बैरक से मोबाइल समेत संदिग्ध सामाग्री बरामद

एजेंसी | डिब्रूगढ़

असम के डिब्रूगढ़ की सेंट्रल जेल में कैद वासिर पंजाब दे के मुखिया अमृतपाल सिंह की बैरक से मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, सिम, कीपैड फोन बरामद हुए हैं। असम पुलिस के डीजीपी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर तस्वीर के साथ किए एक पोस्ट में यह जानकारी दी। पुलिस महानिदेशक के मुताबिक, अमृतपाल के बैरक में संदिग्ध गतिविधियां होने की सूचना

मिलने पर अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। शक की सुई इस बात की तरफ इशारा कर रही है कि क्या अमृतपाल किसी तरह का कोई षड्यंत्र रच रहा था? डीजीपी जीपी सिंह ने पोस्ट में लिखा कि एनएसए सेल में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी मिलने पर एनएसए ब्लॉक के सार्वजनिक क्षेत्र में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। जेल कर्मचारियों ने शनिवार सुबह एनएसए सेल के परिसर की तलाशी ली, जिससे सिम के साथ एक स्मार्टफोन, एक कीपैड फोन, कीबोर्ड के साथ टीवी रिमोट, स्पाई-कैम पेन, पेन ड्राइव, ब्लूटूथ हेडफोन और स्पीकर और स्मार्ट घड़ी बरामद हुए।

संदेशखाली मामले में तृणमूल कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न और बलात्कार के आरोप के बाद से लापता तृणमूल कांग्रेस के एक ब्लॉक अध्यक्ष को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस प्रमुख राजीव कुमार ने बताया कि शिबू प्रसाद हाजरा को शनिवार को गिरफ्तार किया गया और प्राथमिकी में रेप की धाराएं जोड़ी गई हैं। पीड़ितों की मदद के लिए राजभवन की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है। राजभवन के दरवाजे संकटग्रस्त संदेशखाली की महिलाओं के लिए खुले हैं जो अपने घरों में असुरक्षित महसूस करती हैं।

बंदरगाहों के लिए दिशा-निर्देश जारी

नई दिल्ली। बंदरगाह एवं जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बंदरगाहों की दक्षता बढ़ाने और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने के लिए शुक्रवार को 'सागर आकलन' दिशानिर्देश जारी किए।

भाजपा का राष्ट्रीय अधिवेशन: पीएम मोदी ने दिया विजय मंत्र

370 सीटों का लक्ष्य, हर बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट करने हैं हासिल

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी प्रतिनिधियों अगामी लोकसभा चुनाव में 370 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया और कहा कि यह लक्ष्य सिर्फ आंकड़ा नहीं है, बल्कि यह श्यामा प्रसाद मुखर्जी को भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं की श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में हर बूथ पर 370 अतिरिक्त वोट जुटाने की बात कही।

पीएम मोदी शनिवार को यहां भारत मंडपम में शुरू हुए भाजपा का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए यह बात कही। दरअसल भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में कहा था कि एक देश में दो निशान, दो प्रधान और दो विधान नहीं चलेंगे। मुखर्जी ने यह नारा जम्मू-कश्मीर में दिया था। भाजपा अब 370 सीटों के लक्ष्य के जरिए यह संदेश भी दे रही है कि मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाया है।

पीएम मोदी ने कहा कि नए मतदाताओं को 2014 से पहले के भारत और 2014 के बाद के भारत में फर्क बताएं और उन्हें बताएं कि कैसे भारत का गौरव बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि महिला मतदाता हमारे लिए सिर्फ वोटर

नहीं हैं। जिस तरह का काम पिछले 10 साल में हमारी सरकार ने किया है, उसे देखते हुए माता-बहनों का आशीर्वाद हमें इस चुनाव में प्राप्त करना है, इसके लिए ज्यादा सक्रिय रहें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इस बार भाजपा का चुनाव चिह्न कमल पार्टी का उम्मीदवार होगा। पीएम ने इसी के साथ सभी से अपनी जीत सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

10 साल की विकास यात्रा अभूतपूर्व रही: नड्डा

पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि 10 साल की विकास यात्रा अभूतपूर्व यात्रा रही। उन्होंने कहा कि लोकसभा प्रवास योजना में 161 लोकसभा में 430 प्रवास केंद्रीय मंत्रियों के हुए। यानी एक लोकसभा में तीन प्रवास हुए। ये 161 सीटें वे हैं जो पिछले चुनाव में भाजपा हारी थी। नड्डा ने भरोसा जताया कि इसमें से ज्यादातर सीटें जीतने में हम कामयाब होंगे। आने वाले 100 दिन में भाजपा का कार्यकर्ता सीधे बूथ पर टारगेट करेगा और विकास की बातें हर वोटर तक ले जाने में सफल रहेगा।

राजनीतिक प्रस्ताव में गिनाई उपलब्धियां

इस सम्मेलन में भाजपा ने अपना राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया। जिसमें नरेंद्र मोदी सरकार के बीते दस वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया गया है। इनमें जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करना, अयोध्या में राम मंदिर और प्रधानमंत्री की गारंटी का जिक्र किया गया है। इस प्रस्ताव में कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत की छवि एक सक्षम और सशक्त राष्ट्र के रूप में उभरकर आई है। प्रधानमंत्री मोदी के दस साल रामराज्य की परिकल्पना को जमीन को उतारने वाले रहे हैं। इस दौरान देश ने सुरक्षा, समृद्धि और खुशहाली का एक सफर तय किया है। देश ने गुलामी की सोच से मुक्ति पाई है और अपनी विरासत पर गर्व करना सीखा है। इन वर्षों के दौरान भारत ने अपनी लोकतांत्रिक और संवैधानिक परंपराओं के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान किया है। प्रस्ताव में आगे कहा गया है कि पहले की सरकारों क एक-दो काम ही ऐतिहासिक होते थे, जो याद रखने योग्य होते थे। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार के दस वर्षों में ऐसे सैकड़ों ऐतिहासिक काम हुए, जिनसे दो तिहाई लोगों का जीवन स्तर को ऊपर उठा। साथ ही देश की अर्थव्यवस्था ने भी सारे रिकॉर्ड तोड़े। इन वर्षों के दौरान देश ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं, जिनकी किसी ने कल्पना तक नहीं की थी।

मूवी प्रमोशन: जयपुर आए विद्युत जामवाल और अर्जुन रामपाल ने शेयर की जर्नी

मां बहुत अलग होती है, उनकी दुआओं से ही हम सब चलते हैं

बेधड़क, जयपुर। 'ये माएं बहुत अलग होती हैं। इनकी दुआओं से ही हम चलते हैं। बात की जाए मेरी मां की तो जब भी मैं एक्शन सीन करने जाता हूं तो वे पूजा घर में चली जाती हैं और दिन भर पूजा करती हैं। फिर जब मैं फोन करके बताता हूं कि सब ठीक से हो गया तो उनको चैन आता है और उनकी पूजा पूरी होती है।' ये किस्सा बॉलीवुड के एक्शन हीरो विद्युत जामवाल का, जो उन्होंने जयपुर विजिट के दौरान शेयर किया। उनके साथ एक्टर अर्जुन रामपाल भी थे। दोनों ने अपकमिंग मूवी क्रेक का प्रमोशन जयपुराइट्स के बीच किया। इस दौरान दोनों ने एक-दूसरे की तारीफ की और कई एक्सपीरियंस शेयर किए। विधुत ने बताया कि मूवी को प्रोड्यूस करना और एक्टिंग करना दोनों को साथ में निभाना थोड़ा चैलेंजिंग था, लेकिन अर्जुन के सपोर्ट से सब सही हो गया। उन्होंने कहा कि मूवी पूरी तरह से एक्शन से भरपूर है। पौलेंड में एक्शन सीन किए गए और इस दौरान हम दोनों को बहुत चोटें भी आईं।

मॉडलिंग से रोमांच पूरा हुआ

अर्जुन से जब पूछा गया कि 22 साल इंडस्ट्री में हो गए हैं और मॉडलिंग को मिस करते हो या कभी रैंप पर दिखोगे? तो उन्होंने कहा, मॉडलिंग से रोमांस पूरा हो गया है। अब मैं मूवीज पर ध्यान देता हूं। हालांकि, कम मूवी करता हूं, लेकिन इस मूवी के लिए जल्दी हां कर दी थी।

फोटो: पंकज शर्मा

इकट्ठा किए दुनिया भर के एक्शन मास्टर

विधुत ने कहा कि मुझे हमेशा से एक बड़े बजट की मूवी बनानी थी। इस मूवी के लिए मैंने दुनिया भर के एक्शन मास्टर इकट्ठा किए और उनके साथ से वर्ल्ड का बेस्ट एक्शन ला पाए हैं। साथ ही साथ हमने सोशल मीडिया के फाइटर्स को भी अपने साथ लिया और सबने मिलकर बेस्ट दिया है।

अब बनना है प्रोड्यूसर, विद्युत को दूंगा रोल

अर्जुन ने कहा कि अब मैं भी आगे बढ़ता चलूंगा और प्रोड्यूसर-डायरेक्टर बनूंगा। छोटे भाई (विद्युत) ने मुझे लिया है तो अब बड़े भाई की बारी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया लव पर कहा कि हां मैं ट्रेवलिंग की वीडियोज सोशल मीडिया पर अपलोड करता हूं। हालांकि, उनकी अभी तक किसी ने तारीफ नहीं की है, लेकिन बीच-बीच में ऐसा करना मुझे अच्छा लगता है। गौरतलब है, कि 'क्रेक-जीतेगा तो जिएगा' एक स्पोर्ट्स एक्शन मूवी है, जो आदित्य दत्त द्वारा सह-लिखित और निर्देशित है। विद्युत जामवाल द्वारा निर्मित है। फिल्म में एमी जैक्सन, नोरा फतेही के साथ अर्जुन रामपाल नेगेटिव शेड लिए है। यह एक ऐसे खिलाड़ी की कहानी है, जो मुंबई के स्लम एरिया से निकलकर खेलों की दुनिया में पहुंचता है। फिल्म में जबरदस्त एक्शन के साथ खतरनाक स्टंट हैं।

कप की विजेता रही टीम बारिया

बेधड़क. जयपुर। जयपुर पोलो सीजन-2024 में राजस्थान पोलो क्लब में महाराज पृथी सिंह बारिया कप का आयोजन किया गया। मैच में टीम आरपीसी और टीम बारिया के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ, जिसमें टीम बारिया ने आरपीसी को 5-4 से हराया। बारिया के लिए राव हिम्मत सिंह बेदला ने 4 गोल और सिद्धांत सिंह ने 1 गोल किया। टीम में जैसल सिंह और पद्मनाभ सिंह ऑफ जयपुर शामिल थे। वहीं, टीम आरपीसी के लिए कर्नल वीएस काहलों, वीएसएम और विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने 2-2 गोल किए। मोस्ट वेल्युएबल प्लेयर का खिताब जैसल सिंह ने जीता। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने विजेता टीम को ट्रॉफी दी।

कार्यालय का उद्घाटन आज

बेधड़क. जयपुर। माहेश्वरी चेटीचंड सिंधी मेला समिति महानगर जयपुर के कार्यालय का उद्घाटन श्रीअमरापुर दरबार के संत मोनू राम और संत मंडली के द्वारा सुबह 11 बजे इंदिरा बाजार स्थित डूंगरी हाऊस में किया जाएगा। समिति अध्यक्ष अशोक सेवानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस अवसर पर विशिष्ट पल्लव प्रार्थना होगी। सिंधी शहनाई वादन के साथ अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष, पूर्व महासचिव आदि सम्मिलित होंगे।

ताल में दिखी कथक की बारीकियां

बेधड़क. जयपुर। नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में युवा कथक नृत्यांगना कृतिका व रक्षिता ने भावपूर्ण कथक नृत्य से जयपुर कथक की बारीकियों को दर्शाया। राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि कथक गुरू श्वेता गर्ग की शिष्य कृतिका रघुवंशी और रक्षिता शेखावत ने कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरी तिलक वंदना कस्तूरी तिलक ललाट पटले से की। इसके बाद शुद्ध कथक ताल, धमार 14 मंत्र, थाट, आमद, चक्करदार तोड़ा, तत्कार, कवित्त, तिहाई की प्रस्तुति से जयपुर कथक को साकार किया। अंत में कृष्ण भजन जय मुरली मनोहर गोपाला से कार्यक्रम को विराम दिया। कृतिका और रक्षित के नृत्य में लयकारी, ताल व भाव की स्पष्ट झलक देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन रेनू सनाढ्य ने किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी, कैमरा मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल व तपेश, मंच सज्जा जीवितेश व अंकित शर्मा नोनू की रही।

City इवेंट्स

राजधानी जयपुर में संत सम्मेलन आज

बेधड़क. जयपुर। जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट पावन धाम ट्रस्ट एवं माहेश्वरी समाज के संयुक्त तत्वावधान में 18 फरवरी को श्री पंचखण्ड पीठाधीश्वर आचार्य स्वामी सोमेन्द्र के सानिध्य में एक सप्ताह तक राष्ट्र संत आचार्य स्वामी धर्मेन्द्र महाराज की स्मृति में धर्मोत्सव समारोह देश विदेश के संतों की मौजूदगी में मनाया जाएगा। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुधीर जैन गोधा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्द गिरी, अध्यक्षता रामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष महेन्द्र स्वामी नृत्य गोपाल दास जी के उतराधिकारी महामण्डलेश्वर स्वामी कमलनयनदास जी महाराज (अयोध्या), विशिष्ट अतिथि विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकारी अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार, गोवा के श्रीदत पद्माभ पीठाधीश्वर स्वामी बह्मेश्नानदचार्य महाराज, रेवासा धाम के स्वामी राघवाचार्य, त्रिवेणी धाम के स्वामी राम तीर्थ पल दास, अमेरिका के स्वामी बह्म नंद सरस्वती, स्पेन से स्वामी उमेश योगी, केलिफोर्निया (अमेरिका) से स्वामी स्वालामन्द, इंग्लैंड से राज रामेश्वर गुरुजी होंगे। सभी संत-महात्मा, आचार्य महा मंडलेश्वर श्रीकृष्ण जन्म स्थान मथुरा और काशी विश्वनाथ मंदिर को लेकर रण नीति बनाएंगे। स्वागताध्यक्ष राजेन्द्र खण्डेलवाल (लवाण वाले) व मुख्य सहयोग करता मोहित गणेश राणा ने बताया कि सम्मेलन में गोवा के स्वामी ब्रह्म सानंद को प्रथम आचार्य स्वामी धर्मेन्द्र महाराज स्मृति सम्मानप्रदान किया जाएगा। ट्रस्ट के महा सचिव गब्बर कटारा ने बताया कि कार्यक्रम सुबह 11 से 2:30 बजे तक चलेगा।

रामरक्षा स्तोत्र पाठ पोस्टर का विमोचन

बेधड़क. जयपुर। रामलला के अयोध्या में विराजमान होने पर सवा लाख रामरक्षा स्तोत्र पाठ जाप श्री राम मन्दिर अयोध्या धार्मिक आयोजन सेवा समिति जयपुर में कराएगी। समिति अध्यक्ष आचार्य राजानंद शास्त्री ने बताया कि रामलला के गर्भगृह में विराजमान होने से सम्पूर्ण विश्व में खुशी का माहौल है। इसी आस्था को और मजबूत करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम श्री राम जन्म भूमि ट्रस्ट अध्यक्ष व मनिरामदास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास सहित अनेक संतों के सानिध्य में धर्म मंडपम में पूरा होगा। कार्यक्रम के दौरान 14 ग्राम चांदी की धातु पर रामलला का रामरक्षा यंत्र भी सनातन धर्म प्रेमियों के लिए निर्मित अभिमंत्रित किया जाएगा। कश्मीर से कन्याकुमारी तक के सनातनियों को hanuman-gadi.com इस यंत्र को उपलब्ध कराएगी। साथ ही हर घर में रामलला के श्री रामरक्षा यंत्र का पूजन होगा, जिससे भारत देश विश्व गुरु बने।

भक्तामर स्तोत्र पाठ का किया पोस्टर लॉन्च

विधान पूजन और रिद्धि मंत्रों से दीप प्रज्वलित कर होगा अनुष्ठान

बेधड़क | जयपुर

दंपती सदस्यों की संस्था जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल नेशनल फैडरेशन नॉर्दर्न रीजन के तत्वावधान में जैन सोशल ग्रुप हेरिटेज सिटी द्वारा रविवार भक्तामर स्तोत्र का 276वां पाठ किया जाएगा। इस मौके पर अभिषेक, शांतिधारा व भक्तामर पूजा विधान होगा।

ग्रुप संस्थापक अध्यक्ष सुभाष बज ने बताया कि हर माह ग्रुप द्वारा भक्तामर पाठ किया जा रहा है। इस प्रोग्राम को निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए आदिनाथ भगवान के चरणों में पोस्टर समर्पित कर आचार्य चैत्य सागर महाराज के सानिध्य में विमोचन किया गया। ग्रुप अध्यक्ष नितिन पाटनी ने बताया कि भक्तामर पाठ में ग्रुप सदस्यों के साथ सभी जैन सोशल ग्रुप्स के प्रतिनिधि सहभागिता निभाएंगे। कार्यक्रम संयोजक सुभाष बज व महावीर सेठी ने बताया कि 48 चौकी पर 48 भक्तामर मंडल सजाए हैं, जिन पर श्रावक-श्राविकाएं भक्ति के साथ विधान पूजन व दीप अनुष्ठान करेंगे। संगिनी जेएसजी हेरिटेज के सहयोग से राणाजी की नसिया में आयोजित धार्मिक आयोजन के मुख्य अतिथि समाज सेविका रेणु राणा धर्मपत्नी स्वर्गीय गणेश राणा, मोहित- नम्रता राणा होंगे। नॉर्थन रीजन चेयरमैन महेंद्र सिंघवी ने बताया कि कार्यक्रम में फेडरेशन व नॉर्थन रीजन के सभी पदाधिकारीगण शामिल होंगे। पूजन सामग्री पुण्यार्जक धुरेंद्र आशा जैन, अजय-(बब्बल) भारती छाबड़ा, राज कुमार- महावीर कुमार सेठी होंगे।

महर्षि मात्रंग नवल स्वामी के जन्मोत्सव पर होगा आयोजन

महासंगम में बॉलीवुड अभिनेता संग संतों का होगा महामिलन

बेधड़क | जयपुर

छोटी काशी एक बार फिर भक्तिमय होगी और लोक नृत्य, कच्चीघोड़ी, लवाज्मे के साथ स्वागत यात्रा में हजारों जयपुरवासी हिस्सा लेंगे। इसके लिए पोस्टर का विमोचन कर जयपुर में भक्ति का माहौल बनाया गया, क्योंकि राष्ट्रीय संत बालयोगी व सिद्ध क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज रविवार को जयपुर में संबोधित करेंगे।

उमेश नाथ महाराज बिड़ला सभागार में होने वाले राज्य स्तरीय विशाल वाल्मीकि महासंगम में शिरकत करेंगे। महर्षि मात्रंग नवल स्वामी के 241वें जन्मोत्सव पर होने वाले आयोजन वाल्मीकि महासंगम का पोस्टर विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम संयोजक विकास नरवार ने बताया कि गुरु देव राष्ट्रीय संत बालयोगी व सिद्ध क्षेत्र वाल्मीकि धाम उज्जैन पीठाधीश्वर उमेश नाथ महाराज कार्यक्रम में मुख्य आशीर्वाददाता रहेंगे। मंच का संचालन बॉलीवुड अभिनेता और महाभारत के अर्जुन करेंगे। इस दौरान महाराज का स्वागत किया जाएगा। प्रदेश भर के लोग कार्यक्रम में शामिल होकर आशीर्वाद लेंगे। महासंगम में राजस्थान भर से लोग शामिल होंगे। कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड, सवाई माधोपुर, गंगापुर, करौली, हिंडौन, देवली उनियारा, टोंक, मालपुरा, शाहपुरा, फागी से लोग आएंगे। शिवदासपुरा टोल से रोड शो के रूप में बिड़ला सभागार पहुंचेंगे। भवई नृत्य और पंजाब के आर्मी बैंड के साथ अभिनंदन किया जाएगा।

खेल प्रतियोगिता | रोचक मुकाबलों में प्रदेश भर के प्लेयर्स ने किया सेमिफाइनल क्वालिफाई

निविक टेबलिंटन में जोश और जूनून ने दिलाई जीत

बेधड़क | जयपुर

कई मैच खेलकर सेमिफाइनल में जगह बनाई तो इस अचीवमेंट की खुशी ही अलग थी। हर कोई अपनी इस उपलब्धि को अपने-अपने अंदाज में सेलिब्रेट कर रहा था। अवसर था निविक टेबलिंटन में बैडमिंटन टीम इवेंट में सेमिफाइनल में जाने का। टूर्नामेंट के मुख्य संयोजक डॉ. सौरभ जैन ने बताया कि टूर्नामेंट में बैडमिंटन, टेबल टेनिस और कैरम के मैच खास हैं, जिनमें 500 प्लेयर्स भाग ले रहे हैं। सभी स्पोर्ट्स के सभी वर्गों में कुल 56 टीमें भाग हैं।

ऐसे चले मुकाबले

बैडमिंटन संयोजक डॉ. मणि दुबे व डॉ. दिवाकर भार्गव ने बताया कि टीम इवेंट में वर्ग में डॉ. मनीषा चावला के बेहतरीन प्रदर्शन के चलते जीत हासिल की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिंदल आई ने केडीजी फाइटर्स को 4-2 से हराया और सेमिफाइनल में जगह बनाई। डॉ. आशीष जैन और डॉ. निशांत शर्मा का सराहनीय प्रदर्शन रहा। एक अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले में सुविरा ने शॉल्डर एंड नी को 4-2 से हराकर सेमिफाइनल में प्रवेश किया। डॉ. सुनील शर्मा का अच्छा प्रदर्शन रहा। रावत आई ने बंसल ब्रावो को 4-1 से हराया। डॉ. हर्षल टांक व डॉ. प्रीति टांक का शानदार प्रदर्शन रहा। ओपन इवेंट मुकाबले भी खेले गए। चैलेंजर लीग में डॉ. मुकेश भामू, डॉ. गौरव धींगरा, डॉ. मनीष थागरिया, डॉ. अभिषेक गोयल ने सेमिफाइनल में प्रवेश किया। वहीं डॉ. दिवाकर भार्गव के अनुसार प्लेटिनम लीग में डॉ. अमनप्रीत, डॉ. गौरव धींगरा ने सेमिफाइनल में प्रवेश किया।

लीग मैचेज का समापन

टेबल टेनिस संयोजक डॉ. अजय नायर व डॉ. संकल्प अवस्थी ने बताया कि लीग की समाप्ति के बाद पहले सेमिफाइनल में मनिपाल का मुकाबला ऋषभ मल्टीस्पेशलिटी से होगा। दूसरे सेमिफाइनल में क्रैडल भिड़ेगा। ओपन वर्ग में चैंपियंस ओपन सिंगल्स में डॉ. कविश शर्मा ने डॉ. नलिन बेनीवाल को हराया।

डॉ. केदावत व डॉ. यादव शीर्ष पर

चैलेंजर्स डबल्स में ग्रुप ए में डॉ. चंदन केदावत व डॉ. विजय यादव शीर्ष पर रहे। ग्रुप बी में डॉ. नलिन बेनीवाल व डॉ. हर्ष बेनीवाल शीर्ष पर रहे। कैरम संयोजक डॉ. अजित जैन व डॉ. के के शांडिल्य ने बताया कि प्रो ओपन वर्ग में एकल वर्ग में ग्रुप ए व ग्रुप डी के लीग मुकाबले हुए। इनमें विजय प्राप्त कर डॉ. विवेक मित्तल सेमिफाइनल में पहुंचे। चैलेंजर ओपन वर्ग में डॉ. वीरेंद्र अग्रवाल ने डॉ. मणिकांत जैन को हराया और सेमिमीफाइनल में प्रवेश किया।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, रविवार, 18 फरवरी, 2024

10

विद्वता अच्छे दिनों में आभूषण, विपत्ति में सहायक और बुढ़ापे में संचित धन है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

मूडीज का दावा: पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिलना मुश्किल

दिवालिया होने के कगार पर पाक, कर्ज पर मंडरा रहा संकट

एजेंसी | इस्लामाबाद

राजनीतिक अस्थिरता से घिरे पाकिस्तान के सामने आर्थिक संकट भी खड़ा होने को तैयार है। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा है कि पाकिस्तान को आईएमएफ से नया कर्ज मिलने में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। मूडीज ने दावा किया है कि राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण आने वाली सरकार के लिए अप्रैल में एक बड़े कार्यक्रम के लिए आईएमएफ से संपर्क करना मुश्किल होगा। इससे अर्थव्यवस्था टूटेगी और लिक्विडिटी मैनेज करना चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। मूडीज का ये दावा पाकिस्तान के लिए खतरे की घंटी है क्योंकि देश की अर्थव्यवस्था आईएमएफ के कर्ज के सहारे ही लुढ़क रही है। बीते साल ही पाकिस्तान को आईएमएफ से कर्ज मिला है लेकिन अब फिर से उसे एक बड़ी मदद की जरूरत है। आईएमएफ की ओर से पाकिस्तान को 3 अरब डॉलर की मदद का कार्यक्रम अगले महीने खत्म हो रहा है। नई सरकार के सामने एक नया बेलआउट पैकेज हासिल करना प्राथमिकता के रूप में देखा जा रहा है।

पुराना खराब रिकॉर्ड खड़ी करेगा मुश्किल

मूडीज का दावा है कि अनिश्चितताओं के कारण आने वाली सरकार के लिए अप्रैल में एक बड़े कार्यक्रम के लिए आईएमएफ से संपर्क करना कठिन हो जाएगा। इससे बाहरी अर्थव्यवस्था कमजोर हो जाएगी। इसकी संभावना इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार गिरने के बाद बनी पीडीएम गठबंधन की सरकार ने भी सार्वजनिक प्रतिक्रिया से बचने के लिए आईएमएफ के बताए सुधारों को लागू करने में काफी में देर की थी। ऐसे में आने वाली गठबंधन सरकार को लेकर भी कई अंदेशे हैं।

खाड़ी देश भी निवेश से कतरा रहे

पाकिस्तान के कई एक्सपर्ट सेना समर्थित एसआईएफसी (विशेष निवेश परिषद) पर अपनी उम्मीदें लगाए बैठे हैं। एसआईएफसी के बावजूद अरबों डॉलर का निवेश करने वाले खाड़ी देश अब तक राजनीतिक अनिश्चितता के कारण पाकिस्तान के बाजार में प्रवेश करने से झिझक रहे हैं। सबको इसका अंदेशा है कि पाकिस्तान की वित्तीय स्थिति चरमरा सकती है और वह अपने कर्ज देने में नाकाम हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि आईएमएफ से उसे एक प्रोग्राम मिले। अस्थिर राजनीतिक परिस्थितियों में नया गठबंधन कैसे आगे बढ़ता है। वह काफी हद तक पाकिस्तान की आर्थिक दिशा तय करेगा।

ईरान में सिरफिरे ने की गोलीबारी

12 को उतारा मौत के घाट

एजेंसी | तेहरान

ईरान के दूरदराज ग्रामीण इलाके में एक 30 वर्षीय सिरफिरे युवक ने शनिवार को अपने 12 रिश्तेदारों की गोली मारकर हत्या कर दी। यह गोलीबारी दशकों में हुई सबसे घातक घटना है। करमान प्रांत के न्याय विभाग के प्रमुख इब्राहिम हामिदी ने बताया कि बंदूकधारी ने पारिवारिक विवादों के कारण एक गांव में सुबह-सुबह अपने पिता, भाई और अन्य रिश्तेदारों पर गोलियां चला दीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हमलावर की अभी पहचान नहीं हुई है। उसने गोलीबारी के लिए कलाश्निकोव असॉल्ट राइफल का इस्तेमाल किया। ईरान

में किसी भी हिंसक घटना में मरने वालों की संख्या में ये सबसे अधिक है। गौरतलब है कि हाल के वर्षों में बिगड़ती आर्थिक स्थिति के साथ-साथ अमेरिकी प्रतिबंधों से पीड़ित ईरान में हिंसा बढ़ गई है, जिससे मुद्रास्फीति और बेरोजगारी बढ़ गई है।

पहले भी हो चुकी कई घटनाएं

2022 में एक कर्मचारी, जिसे राज्य के स्वामित्व वाले वित्तीय समूह से बर्खास्त कर दिया गया था, उस ने खुद को मारने से पहले अपने पूर्व कार्यस्थल पर गोलीबारी की, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए थे। 2016 में एक 26 वर्षीय व्यक्ति ने ईरान के दक्षिण में एक ग्रामीण इलाके में 10 रिश्तेदारों को गोली मार दी थी।

अंटार्कटिका के रास्ते जासूसी की ताक में ड्रैगन

चीन के 'बर्फीले' स्टेशन से छिड़ी बहस

एजेंसी | बीजिंग

चीन ने पिछले हफ्ते अंटार्कटिका में एक नए वैज्ञानिक अनुसंधान स्टेशन की शुरुआत कर ऑस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड को सांसत में डाल दिया है।

इससे अंटार्कटिका महाद्वीप पर चीनी उपस्थिति के तेजी से विस्तार के उद्देश्य और प्रभाव को लेकर एक बार फिर बहस शुरू हो गई है। रॉस सागर के पास इनएक्सप्रेसिबल द्वीप पर स्थित क्विनलिंग स्टेशन चीन की पांचवीं वैज्ञानिक चौकी और महाद्वीप पर तीसरा अनुसंधान स्टेशन भी है। इस अनुसंधान स्टेशन को इस तरह से बनाया गया है कि यह हर मौसम में काम कर सकता है। चीन के सरकारी प्रसारक सीजीटीएन के अनुसार, यह स्टेशन 5244 वर्ग मीटर में फैला हुआ है और गर्मी के महीनों के दौरान इसमें 80 लोग रह सकते हैं।

स्टेशन से जासूसी का खतरा

क्विनलिंग स्टेशन यूएस मैकमुर्डो स्टेशन के पास ऑस्ट्रेलिया के ठीक दक्षिण में है। इसकी स्थिति चीन को अमेरिका के सहयोगी ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की जासूसी करने में सहायता कर सकती है। चीन का यह स्टेशन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अमेरिका के ज्वाइंट स्पेस फैसिलिटी से लॉन्च होने वाले रॉकेटों के टेलीमेट्री डेटा को आसानी से रिकॉर्ड कर सकता है। चीन इसका इस्तेमाल अपने अंतरिक्ष अभियानों के लिए कर सकता है।

अजरबैजान ने की तालिबान से दोस्ती

इस्लामाबाद। चीन के बाद अब अजरबैजान ने भी तालिबान के साथ दोस्ती कर ली है और अपने पूर्णकालिक राजदूत को काबुल में नियुक्त किया है। अजरबैजान के अफगानिस्तान में राजदूत इलहाम मम्मादोव ने तालिबानी विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी से मिल कर उन्हें विदेश मंत्रालय का पत्र सौंपा है। इस पत्र में अजरबैजान ने कहा है कि वह काबुल में अपना दूतावास खोल रहा है। इससे पहले चीन ने तालिबानी राजदूत की नियुक्ति की थी। इससे पाकिस्तान को करारा झटका लगा है जो तालिबान को ब्लैकमेल करने की कोशिश में जुटा हुआ था।

'पुतिन की क्रूरता जगजाहिर'

एजेंसी | वाशिंगटन

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के मुखर आलोचक एलेक्सी नवलनी की मौत का जिम्मेदार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूसी राष्ट्रपति पुतिन को ठहराया है। उन्होंने कहा कि नवलनी के साथ जो हुआ वह पुतिन की क्रूरता का सबूत है और अब किसी को मूर्ख ना बनाया जाए।

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि अगर उनकी मौत की खबरें सच हैं और मेरे पास यह विश्वास करने का कोई कारण नहीं है कि वे सच नहीं हैं, क्योंकि हम पुतिन की क्रूरता को जानते हैं और यूक्रेन इसका उदाहरण है। रूसी अधिकारी अपनी कहानी बताएंगे लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं है कि नवलनी की मौते के जिम्मेदार पुतिन हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुतिन अपने ही देश के नहीं अन्य देशों के नागरिकों को निशाना बनाते हैं, जैसा कि हमने देखा है कि इस समय यूक्रेन में क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि नवलनी पुतिन सरकार द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार, हिंसा और अन्य गलत कामों की खिलाफत काफी बहादुरी से कर रहे थे।

वैज्ञानिकों का दावा: टूट रही है पैसिफिक टैक्टोनिक प्लेट

लगातार फटती जा रही है धरती

एजेंसी | टोक्यो

पृथ्वी का कठोर बाहरी आवरण एक दर्जन से अधिक टेक्टोनिक प्लेट से मिलकर बना है। इन्हीं टेक्टोनिक प्लेट की हलचल के कारण पृथ्वी पर भूकंप आते हैं। अब टोरंटो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने बताया है कि जापान से न्यूजीलैंड तक फैली पैसिफिक टेक्टोनिक प्लेट टूट रही है।

टीम ने पाया है कि प्रशांत प्लेट समुद्र के अंदर बड़े पैमाने पर क्षतिग्रस्त हो रही है। यह शोध जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स जर्नल में प्रकाशित हुआ है और इसमें उन विशाल ताकतों के बारे में बताया गया है जो प्लेटों को खींच रही हैं। शोध में बताया गया है कि समुद्र के नीचे के ये भ्रंश सैकड़ों किलोमीटर लंबे और हजारों मीटर गहरे हैं।

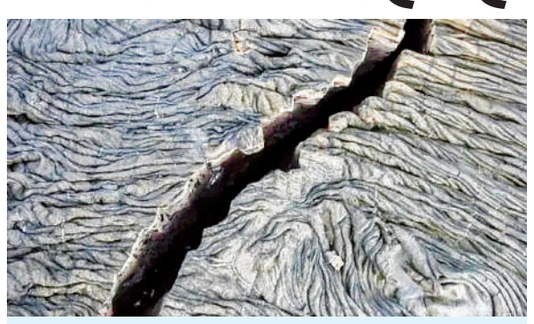

समुद्र के नीचे दरक रही सतह

विश्वविद्यालय के फैकल्टी ऑफ आर्ट सांइसेज में डिपार्टमेंट ऑफ अर्थ साइंसेज में पोस्ट-डॉक्टरल शोधकर्ता एरकन गन के मुताबिक हम जानते थे कि भूवैज्ञानिक विकृतियां जैसे कि भ्रंश महाद्वीपीय प्लेट के आंतरिक भाग पर टेक्टोनिक प्लेट की सीमाओं से दूर होती हैं। लेकिन हम नहीं जानते थे कि समुद्री प्लेटों के साथ भी यही हो रहा था। डिपार्टमेंट ऑफ अर्थ साइंसेज के प्रो. रसेल पिस्कलीवेक के मुताबिक हम जो कर रहे हैं वह प्लेट टेक्टोनिक्स को रिफाइन कर रहा है। यह दर्शाता है कि वे प्लेटें वास्तव में उतनी प्राचीन नहीं हैं जितना हमने पहले सोचा था।

प्रशांत प्लेट में सबसे ज्यादा हलचल

प्रशांत प्लेट दुनिया की सबसे बड़ी टेक्टोनिक प्लेट है। यह प्रशांत महासागर के अधिकांश तल का निर्माण करती है, जो उत्तरी अमेरिका के पश्चिमी तट के साथ अलास्का तक फैली हुई है। पश्चिमी छोर पर, यह जापान से न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया तक मौजूद है। नवीनतम शोध ने नए बिंदुओं की पहचान की है जहां प्रशांत प्लेट को नीचे खींचा जा रहा है। गन के मुताबिक यह सोचा गया था कि उप-महासागरीय पठार अधिक मोटे हैं, इसलिए उन्हें मजबूत होना चाहिए। लेकिन हमारे मॉडल और भूकंपीय आंकड़े बताते हैं कि यह वास्तव में विपरीत है। ये प्लेट काफी कमजोर हैं।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl